आषाढ़ कृष्ण पक्ष द्वितीया, संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 346 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
13 जून 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
38 अधिकतम
21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

इजरायल का जबर्दस्त अटैक, हाल में ट्रंप ने भी चेतावनी दी थी

परमाणु ताकत नहीं बनने देने की जिद, ईरान ने बदले में बरसाए ड्रोन

ईरान के एटॉमिक ठिकाने तबाह, मिसाइलें बर्बाद, कमांडर और वैज्ञानिक मारे गए

तेलअवीव/नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में तनाव आज चरम पर है। इजरायल ने ईरान पर अब तक के सबसे बड़े हमले में जबर्दस्त चोट पहुंचाई है। ऑपरेशन राइजिंग लॉयन के नाम से शुरू किए गए इस हमले में इजरायल ने ईरान के परमाणु ठिकानों को तबाह कर दिया है। उसके परमाणु वैज्ञानिकों को मारने का दावा किया है। इजरायल ने ईरान के टॉप सैन्य कमांडरों को भी मार डाला है। इसके अलावा इजरायली सेना ने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को पंगु कर दिया है। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उनके फाइटर जेट्स ने दुश्मन देश पर शुक्रवार सुबह हमला किया है। वहीं न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इजराइली सेना ने तेहरान के आसपास कम से कम 6 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन 6 में से 4 जगहों पर परमाणु ठिकाने भी मौजूद हैं। इसके बाद अब ईरान ने 100 से ज्यादा हथियारबंद ड्रोन के साथ

हमले में मारे गए आर्मी चीफ जनरल बेघरी और चीफ कमांडर सलामी।

इजरायल पर हमला किया है।

उधर ईरान के सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि इजराइली हमले में इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कमांडर हुसैन सलामी की मौत हो गई है। अल-जजीरा के मुताबिक हमले में ईरान के दो प्रमुख परमाणु वैज्ञानिक मोहम्मद मेहदी तेहरांची और फरदून अब्बासी भी मारे गए हैं। इजराइल ने यह दावा किया है कि हमले में ईरान के आर्मी चीफ मोहम्मद बाघेरी, सेना के अन्य बड़े अधिकारी और कुछ वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिक भी मारे गए हैं। इस बीच, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई ने कहा कि हमारी सेना इजराइल को सजा दिए बिना नहीं जाने देगी इजराइल को सजा मिलेगी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने नतांज में परमाणु संयंत्र केंद्र पर हमले की पुष्टि की है। इसके प्रमुख राफेल मारियानो ग्रॉसी ने कहा है कि हम स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। न्यूक्लियर रेडिएशन को लेकर ईरान के अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा- ईरान के पास हमें नुकसान पहुंचाने की बड़ी क्षमता है। हमने इसके लिए भी तैयारी कर ली है।नेतन्याहू ने कहा, दशकों से, तेहरान के तानाशाह बेशर्मी से खुलेआम इजरायल के विनाश का आह्वान करते रहे हैं। उन्होंने अपने नरसंहारक बयानों को परमाणु हथियार विकसित करने के कार्यक्रम के साथ समर्थन दिया है। हाल के वर्षों में, ईरान ने नौ परमाणु बमों के लिए पर्याप्त उच्च-संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने खुलासा किया है कि उन्हें पहले से पता था कि इजराइल ईरान के शीर्ष नेताओं को निशाना बनाने वाला है। ट्रम्प ने यह बयान अमेरिकी चैनल फॉक्स न्यूज के एंकर ब्रेट बेयर के साथ बातचीत में दिया है।

इजरायल को किस बात का डर?

मान जाता है कि इजरायल को डर सताता है कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया तो ईरान की ये कामयाबी इजरायल के वजूद को ही खत्म कर सकती है। इसलिए इजरायल किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु बम हासिल होने नहीं देना चाहता है। अमेरिका भी यही चाहता है। ट्रंप ने भी हाल में कहा था कि अमेरिका किसी भी हालत में ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देगा। लेकिन ईरान इसे अपनी सुरक्षा के जरूरी बताता है और हर हाल में परमाणु बम बनाना चाहता है। इसके लिए किसी भी तनाव को लेने पर आमदा है। हाल ही में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने कहा था कि अमेरिका या इजरायल नहीं बताएगा कि हमें परमाणु कार्यक्रम रखना चाहिए या नहीं? तेहरान अपने यूरेनियम संवर्धन कार्य को नहीं छोड़ेगा। दरअसल ईरान और इजरायल के बीच लंबे समय से तनाव चला आ रहा है। ईरान द्वारा समर्थित हमास और हिजबुल्लाह जैसे समूहों के हमलों, खासकर 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले ने तनाव को और बढ़ाया है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद पीएम मोदी पहुंचे, घायलों से मिले

आस : मलबे में जिंदगी की आखिरी तलाश, अब तक 265 शव मिले

अहमदाबाद, एजेंसी

प्लेन क्रैश में अब तक 265 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इनमें से 241 मृतक विमान में सवार पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स थे। जबकि मृतक उस मेडिकल हॉस्टल के हैं, जहां प्लेन क्रैश हुआ था। यह बोइंग विमान जिस मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिरा, वहां 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि हॉस्टल में कितनी मौतें हुई हैं। 4 एमबीबीएस छात्र और एक डॉक्टर की पत्नी के मारे जाने की खबर आ रही है। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी आज सुबह अहमदाबाद पहुंचे। सबसे पहले वे घटनास्थल का मुआयना करने आए। इसके बाद वे सिविल अस्पताल गए, जहां वे करीब 10 मिनट तक पीड़ितों से मिले। एयर इंडिया का यह बोइंग 787 ड्रीमलाइनर फ्लाइट अहमदाबाद से लंदन जा रहा था। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। इनमें 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे। मृतकों में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी शामिल हैं, जबकि सिर्फ एक यात्री की जान बची है। आज भी प्लेन क्रैश में मारे गए लोगों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट किए जा रहे हैं। प्लेन क्रैश साइट पर एनएसजी की टीम जांच के लिए पहुंच गई है। अहमदाबाद पुलिस स्निफर डॉग लेकर क्रैश साइट पर है, ताकि मलबे में दबे किसी और जीवित व्यक्ति की तलाश की जा सके। एयर इंडिया ने

अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली और गैटविक एयरपोर्ट पर मृतकों के परिजन की मदद के लिए हेल्प सेंटर खोला है। भारत के लिए 18005691 444 और भारत के बाहर से 8062779200 पर संपर्क कर सकते हैं।

एक मात्र जीवित यात्री विश्वास ने पीएम को बताया कि मेरी सीट प्लेन के जिस हिस्से में थी, वो बिल्डिंग के निचले हिस्से से टकराया होगा। शायद मैं सीट सहित नीचे गिर गया और जैसे-तैसे निकल पाया। प्लेन का दरवाजा टूट गया था, और सामने कुछ खाली जगह दिखी।

पिछली सीट अपेक्षाकृत सुरक्षित, इसलिए बचे रमेश

क्या प्लेन क्रैश में कोई जिंदा बच सकता है? प्लेन में ऐसी कौन सी सीट सबसे सुरक्षित होती है? और कौन सी सबसे ज्यादा जोखिम वाली होती है? अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के सबसे भयानक प्लेन क्रैश के बाद ये सवाल हर कोई पूछ रहा है। एकमात्र जीवित यात्री रमेश ने बाहर निकलते हुए जख्मी हालत में बताया था कि टेकऑफ के 30 सेकेंड बाद ही प्लेन जबरदस्त आवाज के साथ क्रैश हो गया। मुझे होश आया तो मेरे अगल-बगल लाशें ही लाशें थीं। मुझे किसी ने उठाया और एम्बुलेंस में डाल दिया। मेरा भाई भी मेरे साथ प्लेन में सफर कर रहा था। उसे ढूंढने में मदद कीजिए। ऐसा ही चमत्कार 38 साल पहले भी हुआ था। तब 4 साल की बच्ची ने भी मौत के मुंह से अपनी जिंदगी छीनी थी। तब अमेरिका में एक प्लेन क्रैश हुआ था। हादसे में कुल 154 लोगों की मौत हो गई। मगर, 4 साल की बच्ची सेसिलिया सिचन अपनी सीट से बंधी हुई हालत में मलबे में जीवित पाई गई। टाइम मैगजीन के एक अध्ययन के अनुसार, पिछले 35 सालों में हुए विमान हादसों की तुलना में पीछे की सीटों पर मौत का जोखिम लगभग 28% होता है, जबकि बाकी सीटों पर यह खतरा करीब 44 फीसदी तक बढ़ जाता है।

रूपाणी की पत्नी से मिले पीएम

अस्पताल में घायलों से मिलने के बाद पीएम मोदी एयरपोर्ट वापस लौटे, जहां उन्होंने विजय रूपाणी की पत्नी अंजलि रूपाणी से मुलाकात की। पीएम के साथ गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी, सीआर पाटिल भी मौजूद थे। उधर सिविल अस्पताल के पोस्टमॉर्टम रूम में जिन मृतकों की पहचान हो चुकी है, उनके शव उनके परिवार को सौंपने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उड़ान में 53 ब्रिटिश नागरिक भी थे। हादसे की जानकारी लेने और आगे की कार्रवाई के लिए ब्रिटिश हाई कमीशन के अधिकारी अहमदाबाद पहुंच गए हैं।

थाईलैंड में एयर इंडिया विमान की आपात लैंडिंग, लंदन की फ्लाइट वापस बुलाई

नई दिल्ली। आज थाईलैंड के फुकेट में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। यहां प्लेन में बम होने की सूचना मिली थी। विमान में 156 लोग सवार थे। खबरों के मुताबिक एयर इंडिया की फ्लाइट ने फुकेट एयरपोर्ट से भारतीय समयानुसार सुबह 9.30 बजे टेकऑफ किया था। विमान अंडमान सागर के ऊपर एक बड़ा घेरा बनाते हुए पलटा और इसके बाद फुकेट में इमरजेंसी लैंडिंग की। उधर लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट तीन घंटे हवा में रहने के बाद मुंबई लौट आई। फ्लाइट सुबह 5.39 बजे रवाना हुई थी। एयर इंडिया ने कहा कि ईरान में स्थिति और उसके हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण उसकी कई उड़ानों को या तो डायवर्ट किया जा रहा है या वापस बुलाया जा रहा है।

विमान हादसा- मप्र में सरकार, भाजपा व कांग्रेस के सभी कार्यक्रम निरस्त

भोपाल। अहमदाबाद विमान हादसे के चलते मप्र में सरकार, भाजपा व कांग्रेस ने अपने सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिए हैं। सीएम मोहन यादव का भी जबलपुर दौरा निरस्त कर दिया गया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा व कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पार्टी की सभी बैठकें व कार्यक्रम निरस्त किये हैं। सरकार और दोनों ही पार्टियों की ओर से शुक्रवार प्रदेश में कई कार्यक्रम प्रस्तावित थे।

सेना ने 'रुद्रास्त्र' का सफल परीक्षण किया

नईदिल्ली, दोपहर मेट्रो।

भारतीय सेना ने स्वदेश में विकसित वर्टिकल टेक ऑफ एंड लैंडिंग ड्रोन का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण राजस्थान के पोखरण फायरिंग रेंज में किया गया। इस ड्रोन का इस्तेमाल सीमा पार दुश्मन के ठिकानों को तबाह करने के लिए किया जाएगा। ये ड्रोन 50 किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर मौजूद लक्ष्यों को भी मार गिराने में सक्षम है। इस ड्रोन को 'रुद्रास्त्र' नाम दिया गया है। सेना ऐसे ड्रोन को बड़ी संख्या में खरीदना चाहती है। ये ड्रोन दुश्मन की तोपों और अन्य फायरिंग पोजीशन को निशाना बना सकते हैं। ये दुश्मन के इलाके में काफी अंदर तक जाकर हमला करने में सक्षम हैं। परीक्षण के दौरान 'रुद्रास्त्र' ड्रोन ने कुल 170 किलोमीटर की दूरी तय की। इसमें लक्ष्य क्षेत्र के ऊपर मंडराना और लगभग डेढ़ घंटे तक हवा में बने रहना शामिल है।

तनाव के बीच शेयर बाजार लड़खड़ाया

मुंबई, एजेंसी

इजराइल के ईरान पर हमले के बाद आज शेयर बाजार में बडी गिरावट है। सेंसेक्स 700 अंक गिरकर 81,000 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 200 अंक गिरावट है। ये 24,650 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज सेंसेक्स के 30 शेयरों में से सभी में गिरावट है। बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, ऑटो और आटी शेयर ज्यादा गिरे हैं। कल के एयर इंडिया के विमान के क्रैश होने के बाद एयरलाइन कंपनियों के शेयर भी टूटे हैं। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का शेयर 4 फीसद नीचे है। स्पाइसजेट करीब 3 फीसद टूटा है। वहीं एयर इंडिया को ऑपरेट करने वाले टाटा ग्रुप के सभी शेयर नीचे हैं।माना जाता है कि जब भी दो बड़े देशों के बीच युद्ध या तनाव बढ़ता है, तो निवेशक घबरा जाते हैं और शेयर बाजार से पैसे निकालने लगते हैं।

मेट्रो एंकर

किसी और महिला पर थी नजर ताकि सोनम को मृत बताया जा सके

एक और हत्या की योजना बना रही थी 'सोनम-राज गैंग'

शिलांग, एजेंसी

इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में मेघालय पुलिस ने कुछ और चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि हत्या के बाद राजा की पत्नी सोनम बुर्का पहनकर मेघालय से फरार हुई थी। टैक्सी, बस और ट्रेन के जरिए मध्यप्रदेश के इंदौर पहुंची और करीब दो सप्ताह इंदौर में ही रही। खास बात यह कि राजा की हत्या की योजना फरवरी में ही बननी शुरू हो गई थी, अंतिम रुपरेखा इंदौर में शादी से ठीक पहले रची गई। जिसमें सोनम भी शामिल थी। मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले के पुलिस अधीक्षक विवेक सिएम ने बताया है कि आरोपियों की एक और हत्या की योजना भी थी ताकि राजा को मारने के बाद लोगों को यह विश्वास दिलाया जाए कि सोनम नदी में बह गई। इसके लिए इन लोगों ने तय किया था कि किसी और महिला को मारकर, उसे सोनम बताया जाएगा। हालांकि, ये सफल नहीं हो सका इसके पहले ने पुलिस ने सभी आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज दिया। पुलिस अधीक्षक सिएम ने कहा कि आरोपियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं तथा 90 दिनों की समयसीमा के भीतर चार्जशीट दाखिल कर दी जाएगी। सभी पांच आरोपियों को पुलिस हिरासत में भेजा गया है। डीआईजी ने बताया कि एसआटी जांच में जुटी है और असम समेत अन्य राज्यों की पुलिस से सहयोग लिया जा रहा है। पुलिस इन आरोपियों की आपकी बातचीत आदि पर भी नजरे रखे हुए हैं।

राज ही गाजीपुर तक छोड़ने गया!

जानकारी के मुताबिक सोनम ने कहा है कि परिवार के दबाव में उसने राजा से शादी की थी। राजा की हत्या के लिए ही वे शिलांग गए। दोस्त विशाल और अन्य तीन आरोपियों को तैयार किया गया था। विशाल को उसने सिम भी दी थी। शिलांग से सोनम राज को लोकेशन भेजती थी, उसे राज आरोपियों को फारवर्ड करता था। राज ने इंदौर से आरोपियों के गुवाहाटी तक के टिकट कराए थे। रोज फोन पर उन्हें निर्देश देता था। राज खुद शिलांग नहीं गया था, लेकिन योजना उसने ही बनाई थी। जब सोनम इंदौर आई तो उसके रुकने का इंतजाम भी राज ने किया था। उसने सात हजार रुपये का किराना भी सोनम को खरीद कर दिया था। बाद में जब राजा का शव मिल गया तो राज उसे लेकर गाजीपुर छोड़ने चला गया। गौरतलब है कि राज की उम्र सोनम से करीब चार साल कम है।

9 राज्यों में हीटवेव, राजस्थान-हरियाणा में रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में मानसून 29 मई से मुंबई-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर रुका है। साउथ और नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों को छोड़कर सभी राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश सहित 9 राज्यों में आज हीटवेव का अलर्ट है। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट है। यहां तापमान 45 डिग्री से ऊपर जा सकता है। वहीं, हरियाणा के 9 जिलों में दिन का तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मप्र के उज्जैन, सागर, ग्वालियर-चंबल संभाग के 12 जिलों में लू चलने की चेतावनी है। वहीं, राजस्थान के भी 22 जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। कोटा, बीकानेर सहित कई जिलों में तापमान 45 डिग्री के पार रहा।

राजधानी में रेलवे स्टेशनों के विकेंद्रीकरण की राह आसान नहीं

निशातपुरा स्टेशन 100 फीसद आपरेट नहीं, मिसरोद को लगेंगे अभी 10 साल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल में रेलवे स्टेशनों के विकेंद्रीकरण और यात्रियों को कम से कम दूरी पर रेल सुविधा उपलब्ध कराने की राह आसान नहीं है। अब तक निशातपुरा रेलवे स्टेशन 100 फीसद क्षमता के साथ आपरेट होना शुरू नहीं हुआ है, जबकि बीते 5 वर्षों से यहां कवायद की जा रही है। यात्री भवन 4 साल से बनकर तैयार है, प्लेटफार्मों का विकास किया जा चुका है लेकिन यहां ट्रेनों का ठहराव ही नहीं मिल रहा है। गिनी—चुनी ट्रेनें ठहराव लेकर चल रही है लेकिन वे पर्याप्त नहीं है। जबकि यह राजधानी का पहला जंक्शन स्टेशन है जहां से तीन ओर दिल्ली, मुंबई और रतलाम की ओर रेलवे ट्रैक जाता है।

निशातपुरा स्टेशन भोपाल रेलवे स्टेशन से सटा हुआ है, यूं कहें कि दोनों का यार्ड क्षेत्र मिलता है। रेलवे इस स्टेशन को विकसित करने के लिए लंबे समय से काम कर रहा है लेकिन यहां यात्रियों को शिफ्ट नहीं किया जा सका है जबकि यह जंक्शन स्टेशन होने के नाते कई मायनों में अहम है। अभी भी इंदौर–रतलाम की ओर जाने वाली ट्रेनों को पहले भोपाल आना पड़ता है, यहां से वापस निशातपुरा की ओर जाती है फिर इंदौर–रतलाम की ओर ले जाया जाता है। इस पूरे आपरेशन में समय की बर्बादी हो रही है। यात्रियों को ज्यादा समय तक इंतजार करना पड़ रहा है।

शहर का बढ़ रहा दायरा, इसलिए मिसरोद–निशातपुरा जैसे स्टेशन जरुरी

भोपाल शहर का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इस हिसाब से मिसरोद व निशातपुरा जैसे रेलवे स्टेशन जरुरी होते जा रहे हैं। आने वाले समय में दायरा और बढ़ेगा, तब तक स्टेशन विकसित नहीं किए गए तो पूरा दबाव रानी कमलापति व भोपाल जैसे स्टेशनों पर बढ़ेगा। जिसका असर रोड ट्रैफिक पर भी पड़ना तय है, क्योंकि पीक समय में जब यात्री ट्रेन पकड़ने के लिए स्टेशन व ट्रेनों से उतरकर अपने–अपने घर जाने के लिए निकलेंगे तो इसका असर सड़कों पर भी दिखाई देना स्वभाविक है। अकेले स्टेशन पर ही दबाव बढ़ेगा, यही सही नही है, इसका असर आसपास के क्षेत्रों में भी दिखाई देगा। वैसे भी शहरों में जितने अधिक स्टेशन होंगे, उतनी सहूलियतें होंगी। यह विकेंद्रीकृत यातायात के लिए कई मायनों में जरुरी होगा।

नए भोपाल के लिए मिसरोद फिट, लेकिन विकास धीमा

राजधानी में नर्मदापुरम रोड स्थित मिसरोद स्टेशन अहम हो सकता है, यहां केवल पैसेंजर ट्रेनें ही ठहराव लेती है, बाकी की ट्रेनों का यहां ठहराव नहीं है जबकि मिसरोद के आसपास भोपाल शहर की बड़ी आबादी निवास करने लगी है। इस दृष्टि से इसे विकसित किया जाना चाहिए, लेकिन इस दिशा में रेलवे के काम दिखाई नहीं दे रहे। जबकि लोगों का कहना है कि मिसरोद को विकसित किया जाना चाहिए।

आवंटित सीट पर 18 तक शुल्क जमा कर ले सकेंगे प्रवेश

प्रदेश के 3 लाख विद्यार्थियों का आज होगा इंतजार खत्म, आवंटित की जाएंगी यूजी-पीजी की सीटें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के कॉलेजों में प्रवेश के लिए ऑनाइन आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के लिए आज का दिन विशेष रहने वाला है। उच्च शिक्षा विभाग प्रदेश के करीब तीन लाख विद्यार्थियों को यूजी-पीजी की सीटें आवंटित करेगा। आवंटित सीटों विद्यार्थी 18 जून तक शुल्क जमा कर प्रवेश ले सकेंगे। आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 13 से 18 जून 2025 तक होगा। प्रवेश शुल्क का भुगतान किए गए आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने पर प्रवेश नही माना जाएगा। जानकारी के अनुसार, प्रदेशभर से पहले चरण में 4 लाख 15 हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन कराए हैं। जबकि तीन लाख 10 हजार विद्यार्थियों का सत्यापन हुआ है।

बी.एड., एम.एड. के लिए आज सीटें होंगी आवंटित: इधर बी.एड.,एम.एड., बी.पी.एड, एमपी.एड.,बी.एड.,एमएड, (एकीकृत तीन वीय) आईटीईपी एवं बी.एल.एड तथा बीएड, (अंशकालीन तीन वर्षीय) पाठ्यक्रम के लिए भी 12 जून को सीटें आवंटित की जाएंगी। 13 से 18 जून शुल्क भुगतान के साथ विद्यार्थी प्रवेश ले सकेंगे। जानकारी के अनुसार, एनसीटीई कोर्स में एक लाख पांच हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन कराए हैं।

13 जून से शुरू होगा दूसरा चरण-

यूजी-पीजी के लिए ऑनलाईन पंजीयन आवेदन 13 से 18 जून 2025, पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 14 जून से 19 जून सीट आवंटन जारी करना 24 जून आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान प्रारम्भ करना आवंटित महाविद्यालय में शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 25 से 30 जून 2025 तक होगी। प्रवेश शुल्क का भुगतान किए गए आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने पर प्रवेश नही माना जाएगा। वहीं बी.एड., एम.एड. ,बी.पी.एड, एमपी.एड.,बी.एड.,एमएड, (एकीकृत तीन वीय) बी.एल.एड तथा बीएड, (अंशकालीन तीन वर्षीय) पाठ्यक्रम के लिए दूसरे चरण के पंजीयन 13 जून से 18 जून 2025 तक होंगे।

प्रवेश में आनाकानी करने वाले 216 स्कूलों की सूची जारी

भोपाल। प्रदेश के निजी?स्कूलों में निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत आवंटित सीटें प्रवेश को लेकर निजी स्कूलों की मनमानी थम नहीं रही है। हालात यह है कि कुछ निजी स्कूलों?द्वारा सीट छुपाने और झूठ का सहारा लेकर गरीब बच्चों को प्रवेश नहीं देने के मामले भी राज्य शिक्षा केंद्र तक पहुंचे हैं। जिसके बाद ऐसे स्कूलों की राज्य शिक्षा केंद्र ने सूची जारी करते हुए जिला परियोजना समन्वयकों को प्रवेश के लिए सख्त मानिटरिंग करने के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, निजी?स्कूलों की सूची में प्रदेशभर के 216 स्कूल शामिल हैं। इसमें राजधानी भोपाल के करीब 20 स्कूल हैं। इन स्कूलों मॉनीटरिंग के साथ बच्चों को प्रवेश दिलाने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने गरीब बच्चों को प्रवेश देने के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) लागू किया था।

सुखद यात्रा पूरी

भोपाल राजा भोज एयरपोर्ट पर हज यात्री लौटने पर किया गया स्वागत।

बीते वर्ष की तरह सड़कों पर दौड़ानी पड़ सकती है नाव

नालों की सफाई की, लेकिन भूल गए अतिक्रमण हटाना, बहाव वाला रास्ता प्रभावित होना तय

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बारिश पूर्व की जाने वाली तैयारियों में अभी भी भोपाल शहर पिछड़ा दिख रहा है। यहां ज्यादातर नालों की सफाई तो कर दी है लेकिन नालों के आसपास अनगिनत अतिक्रमण है, जिसकी वजह से पानी का बहाव वाला रास्ता प्रभावित होना तय है, उक्त अतिक्रमण को नहीं हटाया है, जिसका असर यह होगा कि पानी थमेगा और सड़कों पर बारिश के दिनों में नाव दौड़ाना पड़ सकता है। बीते वर्षों में इस तरह की नौबत बन चुकी है।

पुराने शहर में स्थिति ज्यादा खराब

पुराने शहर के नालों के आसपास स्थिति ज्यादा खराब है। यहां वर्षों पहले नालों का करीब 25 स 50 फीसद हिस्सा कब्जाया है, जिस पर अब पक्के निर्माण है। इन्हें कभी नहीं तोड़ा गया, इनकी वजह से बारिश का पानी लोगों के घरों में थमता रहा है लेकिन स्थाई समाधान नहीं निकाला। दूसरी तरफ जब भी पानी भराव की स्थिति बनती है, उसके बाद शासन–प्रशासन व जनप्रतिनिधि ऐसे क्षेत्रों में राहत लेकर खड़े दिखाई देते है। एक तरह से मानवीय स्वार्थ के कारण पानी के बहाव को अवरुद्ध किया जा रहा है, फिर उसके कारण बिगड़ने वाली स्थिति से निपटने के लिए शासकीय धन की मदद से राहत बांटी जा रही।

कई स्थानों पर तो नाले ही गायब

जिन नालों के जरिए बारिश का पानी निकलकर शहर के बाहर जाता है, उनमें से 75 फीसद नालों को बर्बाद किया जा चुका है। ऐसे नालों का दायरा दोनों ही ओर से पक्के निर्माण कर संकरा कर दिया है या इनके उपर पक्का निर्माण कर लिया है। शुरुआत में ये नाले पूरी तरह कच्चे थे तब भी पानी नहीं थमता था क्योंकि तब ये मूल स्वरूप में थे। बीते 20 सालों में नालों को एक तरह से खत्म सा कर दिया है।

शहर के ड्रेनेज सिस्टम के लिए नए सिरे से उठाने होंगे ये कदम

1- नालों का फिर से सीमांकन हो। उस आधार पर उनकी सीमाएं तय की जाए।

2- सीमांकन के बाद जहां अतिक्रमण मिले, चाहे वे पक्के हो या कच्चे, उन सभी को तोड़ा जाए।

3- सीमांकन के बाद नालों का नए सिरे से चौड़ीकरण हो और फिर उन्हें पक्का किया जाए।

साध्वी द्रौपदी दीदी की पुण्यतिथि पर कीर्तन

संतनगर में गूंजा गुरु वाहेगुरु का जाप

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

अपना संपूर्ण जीवन मानव सेवा, गुरु ग्रंथ साहिब और गुरबाणी को समर्पित करने वाली साध्वी द्रौपदी धनवानी की प्रथम पुण्यतिथि गुरूवार को मनाई गई। मिनी मार्केट गुरुद्वारे में कीर्तन और प्रवचन हुए। पिछले 40 दिनों से चल रहे विशेष सुखमनी पाठ एवं गुरु ग्रंथ साहिब जी के पांच अखंड पाठ साहिब का भोग सुबह 5:00 बजे हुआ। गुरुद्वारे में धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला तड़के 3ः00 बजे से ही प्रारंभ हो गया था, लेकिन दिल्ली से आए कीर्तनकार एवं प्रवचनकर्ता भाई चमनजीत सिंह महाराज को सुनने के लिए सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। उनका सत्संग सुबह 6:30 बजे प्रारंभ हुआ जो 8:00 बजे तक चला। इस दौरान उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब एवं गुरु नानक देव की महिमा में अनेक भजन गाए और वहां उपस्थित संगत से गुरु वाहेगुरु का जाप करवाया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

गंगादेवी की कहानी सुनाई

भाई चमनजीत सिंह महाराज ने गुरु अर्जुन देव एवं गंगा देवी की कहानी विस्तार से सुनाई। उन्होंने बताया कि कैसे संतानहीन होने के बावजूद, बाबा बुड्ढा जी और गुरु नानक देव जी के स्मरण तथा गुरु ग्रंथ साहिब व सुखमनी का पाठ करने से गंगा देवी को महाबली योद्धा हरभजन साहब जैसा पुत्र प्राप्त हुआ। महाराज ने जोर दिया कि जिनके यहां भी पुत्र नहीं होता, वे यदि बाबा बुड्ढा जी और गुरु नानक देव जी का स्मरण करते हुए गुरु ग्रंथ साहिब एवं सुखमनी का पाठ करेंगे, तो उनकी यह मनोकामना अवश्य पूर्ण होगी। इस अवसर पर साध्वी द्रौपदी धनवानी की शिष्या सोनी लालवानी, गुरुद्वारे से जुड़े समाजसेवी राकेश शेवानी, घनश्याम थारवानी, मुकेश रायचंदानी, जयराम आरतानी, भगवानदास जनयानी, लता रामचंदनी, भावना आसवानी, भाविका सिरवानी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और सैकड़ों महिलाएं मौजूद थीं।

मान्यता के लिए अलग से भवन जरूरी, 8 लॉ कॉलेजों को झटका

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बार काउंसिल आफ इंडिया (बीसीआई) द्वारा कॉलेजों में लॉ की पढ़ाई कराने अलग से भवन की अनिवार्यता के बाद प्रदेश के आठ कॉलेजों को झटका मिला है। बरकतउल्ला विवि ने आठ कालेजों को संबद्धता नहीं देने का निर्णय कर लिया है, जो वहां विभाग के तौर पर चल रहे थे।

कालेजों के विभागों में लॉ की पढ़ाई नहीं होगी। अब उसके लिए सोसायटी को अलग से कालेज तैयार करना होगा। इसके लिए पूरे मापदंड बीसीआई ने तैयार कर लिए हैं। इन आठ कालेजों में से दो सरकारी हैं। इसमें एक नर्मदा कालेज नर्मदापुरम और पिपरिया लॉ कालेज शामिल है। शेष छह कालेजों में जय हिंद डिफेंस कालेज, विद्यादायनी लॉ कालेज, सेफिया आर्ट एंड कामर्स कालेज, एलबीएस कालेज गंजबासौदा, राजीव गांधी लॉ कालेज रायसेन और एसएसएल जैन कालेज विदिशा। बीयू ने पूर्व में लॉ को विभाग के तौर पर चलाने वाले उक्त कालेजों को पत्र देकर उसे बंद कर कालेज के रूप में स्थापित करने को कहा था। बीयू के पत्र को कालेजों ने गंभीरता से नहीं लिया। अब उक्त कालेज बीयू से संबद्धता की मांग कर रहे हैं, लेकिन बीयू ने उन्हें बीसीआई की आदेश का हवाला देना शुरू कर दिया है।

मेट्रो एंकर पाठ्यक्रम में सभी लिंगों का संतुलित प्रतिनिधित्व हो

स्कूलों में लैंगिक संवेदनशीलता- शिक्षकों का उन्मुखीकरण सत्र

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

नवनिध स्कूल में शिक्षक उन्मुखीकरण सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र ÷स्कूलों में लैंगिक संवेदनशीलता÷ विषय पर केंद्रित था, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को विद्यालय में एक सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी शैक्षणिक वातावरण बनाने के लिए प्रशिक्षित करना था।

सत्र की विशेषज्ञ वक्ताएँ सागर पब्लिक स्कूल की उपप्राचार्या रितिशा गुप्ता और बाल भारती पब्लिक स्कूल की उपप्राचार्या डॉ. सकीना नायडू रहीं। उन्होंने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में विद्यालयों को लैंगिक समता और संवेदनशीलता का एक सशक्त मंच बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

रितिशा गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षकों को अपनी शिक्षण भाषा में लैंगिक रूढ़ियों से मुक्त अभिव्यक्तियाँ अपनानी चाहिए और पाठ्यक्रम में सभी लिंगों का संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस महत्वपूर्ण प्रयास में केवल विद्यालयों की ही नहीं, बल्कि अभिभावकों और पूरे समाज की सक्रिय भागीदारी भी अत्यंत आवश्यक है।

सत्र में मानसिक स्वास्थ्य के विषय पर भी सारगर्भित चर्चा हुई। वक्ताओं ने समझाया कि मानसिक स्वास्थ्य केवल बीमारी की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि यह भावनात्मक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक संतुलन की स्थिति है, जो समग्र कल्याण के लिए आवश्यक है।

सत्र का एक विशेष खंड ट्रांसजेंडर समुदाय की स्थिति और अधिकारों पर केंद्रित रहा। डॉ. सकीना नायडू ने दृढ़ता से कहा कि ट्रांसजेंडर व्यक्ति समाज का अभिन्न अंग हैं और उन्हें भी शिक्षा, सम्मान और अवसर में पूर्ण समानता मिलनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लिंग पहचान के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव अस्वीकार्य है। डॉ. नायडू ने शिक्षकों को सुझाव दिया कि पाठ योजना बनाते समय, शिक्षण विधियों और कक्षा गतिविधियों के चयन में यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक विद्यार्थी को सोचने, समझने और भाग लेने का समान अवसर प्राप्त हो। इस अवसर पर संस्था के सचिव घनश्याम बूलचंदानी, अकादमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी, नवनिध स्कूल की प्राचार्या अमृता मोटवानी, मिठी के प्राचार्य अजय बहादुर सिंह, केवलराम चेनराय स्कूल की प्राचार्या सुमन विश्वकर्मा, तीनों विद्यालयों के कोऑर्डिनेटर्स एवं बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे।

करीब पांच हजार महिलाओं को मिलेगी छत

मंझौले शहरों में 8 वर्किंग वूमेंस हॉस्टल बनाने की तैयारी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र में सरकार अलग अलग शहरों में कामकाजी महिलाओं के लिए आठ नए होस्टल बनाने की तैयारी में हैं। यह हास्टल भारत सरकार की स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंट ऑफ स्टेटस फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट के अंतर्गत बनेंगे। खास बात यह है कि यह हास्टल मझोले शहरों में बनेंगे ताकि आसपास के अंचलों से आकर शहरों में काम करने वाली महिलाओं को रहने के लिये सुरक्षित व व्यवस्थित आवास मिल सकें ।

जानकारी के मुताबिक महिला बाल विकास विभाग द्वारा 4 वर्किंग वूमेन हॉस्टल और शेष 4 हॉस्टल औद्योगिक नीति निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा बनाये जायेंगे। महिला बाल विकास विभाग द्वारा देवास, नर्मदापुरम और सिंगरौली में 100 सीटर तथा झाबुआ में 50 सीटर हॉस्टल बनाये जायेंगे। जबकि औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा उज्जैन में 1554 सीटर, धार में 1776, रायसेन 776 और भिण्ड में 666 सीटर हॉस्टल का निर्माण किया जायेगा। वर्किंग वूमेन हॉस्टल के निर्माण के लिये 289.72 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से 40.59 करोड़ की राशि महिला बाल विकास विभाग व्यय करेगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया का कहना है कि योजना अंतर्गत महिला श्रम बल भागीदारी दर (फीमेल लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट) को बढ़ाने और महिलाओं के जीवन को आसान बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में 8 वर्किंग वूमेन हॉस्टल की स्वीकृति प्रदान की गई है।

वर्किंग वूमेन हॉस्टल में होगी आधुनिक सुविधाएं

इन वर्किंग वूमेन हॉस्टल का स्वामित्व राज्य सरकार के पास रहेगा और रख-रखाव का काम पीपीपी मोड पर किया जायेगा। वर्किंग वूमेन हॉस्टल में आधुनिक सुविधाओं सहित डे केयर सेंटर, जिम, इंडोर स्पोर्टस, लायब्रेरी, वाय-फाई, पर्याप्त पार्किंग, फूड कोर्ट और मनोरंजन गतिविधियां आदि उपलब्ध होंगी। इनके बनने से विशेष रूप से जनजातीय एवं औद्योगिक क्षेत्रों में महिला श्रमिकों की आवास जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह योजना क्रांतिकारी सिद्ध होगी।

भोपाल, रायसेन एवं होशंगाबाद के 34 स्कूलों के 300 से अधिक छात्र हुए सम्मानित

रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में मेधावी छात्र सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

भोपाल। राजधानी स्थित रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में भोपाल, रायसेन और नर्मदापुरम के 34 प्रतिष्ठित विद्यालयों के 300 से अधिक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह रहीं। विशिष्ट अतिथियों में विश्वविद्यालय की प्रो. चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रतिकुलपति डॉ. संजीव गुप्ता, कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी, तथा आयोजन समन्वयक एवं डीन एडमिशन डॉ.अनिल तिवारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि राधा सिंह ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा, मेधावी छात्र हमारे समाज का भविष्य हैं। उनकी मेहनत, लगन और प्रतिबद्धता से राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान संभव है। यह समारोह उन सभी छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत है, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से समाज को गौरवांवित किया है।

सीएम ने कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरस्त करने पर विशेष जोर दिया

सीएम ने अफसरों के साथ किया मेगा मंथन, बोले- परिणाम जल्दी चाहिए

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार सुशासन संस्थान में पूरे दिन अफसरों के साथ मंथन किया। सीएस अनुराग जैन व अन्य अफसर भी उनके साथ रहे। बताया जाता है कि उन विभागों पर अलग से बात हुई, जो सीएम के पास है। इनमें सामान्य प्रशासन, गृह, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, जनसम्पर्क, नर्मदा घाटी विकास, विमानन, खनिज साधन, लोक सेवा प्रबंधन जैसे विभाग के अफसर मौजूद रहे।

सूत्रों के मुताबिक सीएम ने सीएस के साथ अफसरों से काम में गति लाने, उन्हें कम से कम समय में परिणाम आधारित बनाने पर बात की और सुझाव भी मांगें। कहा कि लोगों का हित करना सरकार की पहली प्राथमिकताओं में से एक है इसलिए हर दृष्टि से सोचना, उस आधार पर काम करना होगा। सीएम ने कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरस्त करने पर विशेष जोर दिया। इसके लिए पुलिस के अधिकारियों से वन-टू-वन बातचीत की। खामियां को रेखाकिंत किया। सरकार के कामकाज करने के तौर-तरीके और जनता की उम्मीदों के बीच फीडबैक के जरिए पुल बांधने जैसे विकल्प खोजने की सीख भी दी। सूत्रों के अनुसार सीएम ने उन विषयों को भी नए सिरे से देखा, जिनको लेकर उन्होंने पूर्व में अफसरों से सुधार लाने के निर्देश दिए थे, वह सूची लेकर बैठे थे, जिसके आधार पर बारी-बारी से चर्चाएं की।

विमान हादसा व मूंग खरीदी पर भी चर्चा

बताया जाता है कि बैठक के बीच गुरुवार को गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे की घटना पता चली तो उस पर भी बात की। इसके अलावा किसानों द्वारा गर्मी में ली गई मूंग की खेती और उससे पैदा होने वाली स्थिति, मूंग की खरीदी जैसे विषयों पर अधिकारियों की राय जानी।

एफआईआर दर्ज कर भेजा जाएगा जेल

अवैध कालोनियों पर अंकुश के लिए कानून सख्त होंगे

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राज्य सरकार फिर अवैध कालोनियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति ने नियमों को दरकिनार कर गैरकानूनी तरीके से कॉलोनी बसाई, तो उसके खिलाफ सीधे एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाएगा। उसके साथ ही ऐसे कॉलोनाइजर की संपत्ति जब्त कर उसके बैंक खाते सीज किए जाएंगे। सरकार ने इस दिशा में मध्यप्रदेश नगरपालिका कॉलोनी विकास नियमों को और सख्त करने की तैयारी कर ली है।

जानकार सूत्रों का कहना है कि इस बाबद नए नियमों का प्रारूप बन चुका है और इसे जल्द ही कैबिनेट से मंजूरी के बाद लागू कर दिया जाएगा। वर्ष 1998 से ही मध्यप्रदेश नगरपालिका कॉलोनी विकास नियमों में यह प्रावधान है कि कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त किसी भी अवैध कॉलोनी के निर्माण पर कॉलोनाइजर को जेल भेज सकते हैं। इतना ही नहीं, यह संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है, जिसमें पुलिस को सीधे गिरफ्तारी का अधिकार है। इसके बावजूद अब तक किसी कॉलोनाइजर पर कठोर कार्रवाई नहीं की गई, जिससे अवैध कॉलोनियों की संख्या लगातार बढ़ती गई। अब सरकार नियमों को प्रभावी और सख्त बनाकर इस समस्या पर अंकुश लगाने जा रही है।

नए प्रस्ताव में यह सब कुछ

बताया जाता है कि अब नए प्रस्ताव के अनुसार किसी कॉलोनाइजर ने कृषि भूमि पर बिना अनुमति कॉलोनी काटी, तो सरकार पहले उस कॉलोनी का अधिग्रहण करेगी। उसके बाद वहां मौजूद खाली प्लॉट को सरकार द्वारा बेचा जाएगा और कॉलोनी का व्यवस्थित विकास किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय निकायों को राजस्व की हानि से बचाया जा सकेगा। रहवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा ऐसे कॉलोनियों का सर्वे करवाया जा रहा है। जब तक सर्वे पूर्ण नहीं होता, तब तक उन कॉलोनियों में किसी भी प्रकार की रजिस्ट्री और नामांतरण पर रोक रहेगी।

जागरुकता अभियान: मप्र के चार जिले मलेरिया मुक्त

भोपाल। इस बार बारिश का महीना शुरू होते ही मच्छर जनित बीमारियां डेंगू,मलेरिया के केस बढ़ने लगते हैं। इसे लेकर विभाग लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है। अब दावा किया गा है कि प्रदेश के चार जिले हरदा,आगर-मालवा, विदिशा और शाजापुर में मलेरिया के केस जीरो हो गए हैं । इसे विभाग की बड़ी उपलब्धि माना गया है। शहरों के साथ अब गांवों में भी मलेरिया को कंट्रोल करने की प्लानिंग की गई है।

बताया जाता है कि शुरुआती दौर में एंबेड परियोजना के सहयोग से प्रदेश के 15 जिलों के प्रत्येक गांव में एक-एक वॉलिंटियर भेजे जाएंगे। ये वॉलिंटियर गांव में लोगों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक करेंगे और जिस क्षेत्र में लार्वा पाया जाएगा वहां हफ्ते में एक बार पहुंच कर इसे कंट्रोल करने का काम करेंगे। गावों में मच्छर जनित बीमारियों को कंट्रोल करने के लिए एंबेड परियोजना फैमली हेल्थ इंडिया के सहयोग से प्रदेश के 15 जिले शिवपुरी, श्योपुर, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, विदिशा, भोपाल, जबलपुर, नीमच, रीवा, सीधी, बालाघाट, सिवनी और इंदौर के गांवों में वॉलिंटियर भेजे जाएंगे। एंबेड परियोजना के डॉ. संतोष भार्गव ने बताया कि यह अभियान 1 जुलाई से शुरू किया जाएगा। उन्होने बताया कि इससे पहले बालाघाट जिले में प्रयोग किया गया था।

दुबई की मॉडल आज जनपरिषद समारोह में

भोपाल । अग्रणी संस्था जन परिषद के 36 वें वार्षिक समारोह में दुबई की इंटरनेशनल मॉडल, बी यूनिक इंटरनेशनल मिसेज दुबई, मोस्ट पॉपुलर फेस ऑफ ऑफ आबूधाबी, लोकप्रिय रनवे मॉडल एवं एक्ट्रेस सुश्री विद्या जोशी पटेल दुबई एवं महापौर मालती राय, एयर मार्शल प्रमोद श्रीवास्तव, डॉ निर्भय श्रीवास्तव, डॉ सुबोध वार्ष्णेय, साहित्यकार जीवन सिंह रजक की उपस्थिति में संस्था का वार्षिक समारोह पुलिस ऑफिसर्स मेस के पारिजात सभागृह में अपराह्न ढाई बजे आयोजित किया गया है। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एनके. त्रिपाठी तथा महासचिव अजय श्रीवास्तव नीलू ने दी है।

डेयरी विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय समिति गठित

सीएम डॉ. मोहन समिति के अध्यक्ष तथा विभागीय मंत्री उपाध्यक्ष होंगे

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राज्य शासन द्वारा एमपी स्टेट कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच में सहकार्यता अनुबंध के उद्देश्यों की पूर्ति और डेयरी विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे। समिति के उपाध्यक्ष मंत्री पशुपालन एवं डेयरी विकास और सहकारिता मंत्री होंगे। समिति में सदस्य के रूप में मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, अपर मुख्य सचिव सहकारिता, अध्यक्ष एनडीडीबी, प्रमुख सचिव वित्त विभाग, प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग, प्रबंध संचालक एवं कार्यकारी निदेशकगण एनडीडीबी तथा संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग को शामिल किया गया है। समिति के सदस्य सचिव प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश राज्य को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन होंगे।

मप्र के दुग्ध उत्पादकों के हित में लिया गया बड़ा फैसला

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के दुग्ध उत्पादकों के हित में एवं सहकारी प्रणाली और सांची ब्रांड का उन्नयन करने के उद्देश्य से पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं सम्बद्ध दुग्ध संघ के संचालन एवं प्रबंधन के लिए सहकारिता अनुबंध पर सहमति दिए जाकर अनुबंध निष्पादन किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। इस संबंध में अप्रैल माह में सहकार्यता अनुबंध निष्पादित किया गया था। राज्य स्तरीय समिति का मुख्य कार्य डेयरी विकास योजना की प्रगति की समीक्षा एवं अनुश्रवण तथा योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए नीति निर्धारण, आवश्यक सहायता व दिशा निर्देश प्रदान करना है।

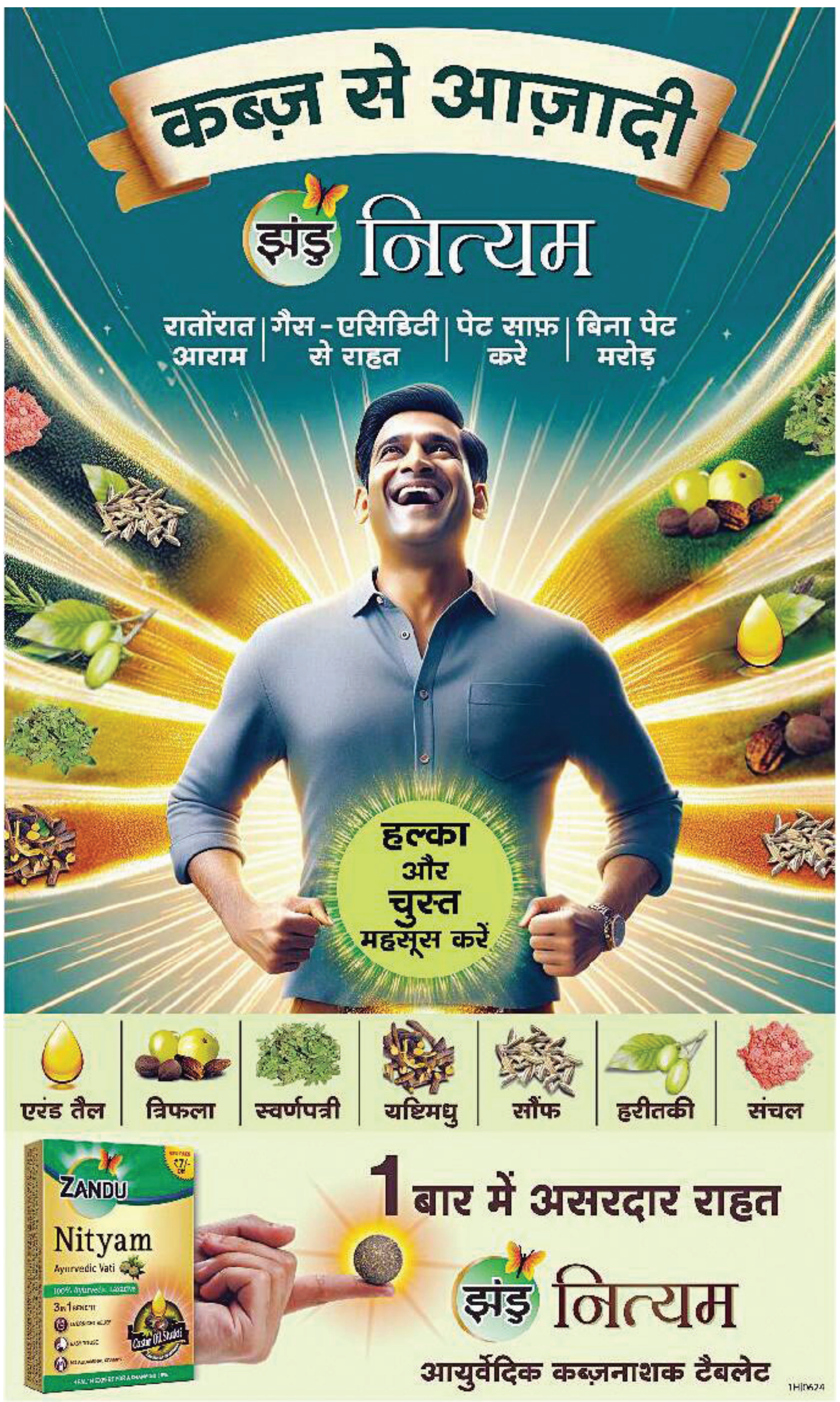

मेट्रो एंकर

अमृत हरित कार्यशाला कल रवीन्द्र भवन में

पीवीटीजी के 7.84 लाख परिवारों के हर घर में नल और जल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

पीएम जनमन योजना के अंतर्गत (पीवीटीजी) विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के परिवारों को मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दृष्टि से अन्य योजनाओं के साथ पेयजल आपूर्ति के लिये 360 पीवीटीजी गांवों के 7 लाख 84 हजार 327 घरों में नल कनेक्शन जारी किये गये है। प्रधानमंत्री जनमन आदिवासी न्याय महाअभियान के अंतर्गत केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा जनजाति संवर्ग के उत्थान के लिये इस योजना के तहत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंशा के अनुरूप नल-जल योजना भी विभिन्न क्षेत्रों दी जा रही सुविधाओं में से एक है।

मध्यप्रदेश में 4197 पीवीटीजी गांव है। इसके अंतर्गत 11 लाख 67 हजार 373 परिवार इस योजना के तहत लाभांवित हुए है। वर्ष 2027 तक अधिकांश गांवों को सतही जल योजना के माध्यम से कवर कर लिया जाएगा। हर घर में नल हर नल में जल योजना के तहत 6019.95 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। 432 बसाहटों में से 192 बसाहटों कार्यपूर्ण किया जा चुका है। शेष 240 बसाहटों को कार्य 30 जून 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

60 गांव नल - जल युक्त

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से प्रदेश के 400 स्वीकृत पीवीटीजी गांवों में से 60 गांवों में के हर घर में नल जल संचालित है। अभी 340 गांवों में कार्य प्रगति पर है। कार्य पूर्ण हो चुके गांव में 61 प्रतिशत के साथ दतिया प्रथम स्थान पर है इसके पश्चात 58 प्रतिशत सैचुरेरडे गांव के साथ ग्वालियर के 134 गांव में से 78 गांव में नल जल योजना का कार्य पूरा हो चुका है। शिवपुरी में सर्वाधिक स्वीकृत 592 गांव में से 97 गांव में नल जल योजना का काम पूरा हो चुका है। 495 गांवों कार्य

संपादकीय

तापमान के कई तकाजे

अब भारत में भी लोगों को अपने घर या कार्यालय को मनमर्जी के मुताबिक कूल-कूल करने की प्रवृति बदलनी पड़ेगी। क्योंकि, आने वाले दिनों में एसी यानि एअर कंडीशनर की हवा को ज्यादा ठंडा करने का विकल्प ही मौजूद नहीं होगा। केंद्र सरकार एअर कंडीशनर के तापमान का मानकीकरण करने वाली है। नए नियमों के तहत तापमान न्यूनतम 20 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस के दायरे में ही रखा जाएगा। इससे न केवल बिजली की बचत होगी, बल्कि कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी, जो पर्यावरण संरक्षण के लिए बेहद जरूरी है। खास यह है कि कई देशों में यह नियम पहले से लागू हैं। भारत में इसको लेकर काफी समय से विचार चल रहा था, लेकिन तकनीकी पहलू और सरकारी स्तर पर इच्छाशक्ति का अभाव रो?। बना हुआ था, पर अब जिस तरह के हालात हैं, उनमें सरकार ने इस दिशा में पहल करते हुए नए नियमों के मसविदे को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। देश में वातानुकूलन के लिए तापमान का मानकीकरण इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि गर्मियों के दिनों में बिजली की मांग चरम पर पहुंच जाती है। इसमें सबसे ज्यादा योगदान एअरकंडीशनर और हवा को ठंडा करने वाले अन्य उपकरणों का होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर वातानुकूलन के समय तापमान तय सीमा में रखा जाए तो देशभर में सालाना हजारों करोड़ यूनिट बिजली की बचत हो सकती है। इससे कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों पर भी दबाव कम होगा और कार्बन उत्सर्जन में भी खासी कमी आएगी। भारत के शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में भी यह पहल महत्त्वपूर्ण साबित हो सकती है। वैसे भीअंतर्राष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाना जरूरी हो गया था। जापान, इटली, स्पेन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में एअर कंडीशनर के तापमान को लेकर पहले से ही सख्त नियम लागू हैं। जापान में तापमान की सीमा 26 डिग्री, जबकि इटली और स्पेन में 23 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रखी गई है। भारत द्वारा उठाए जाने वाले कदम के बारे में अब तक जो जानकारी आ रही है, उसके मुताबिक नया नियम फिलहाल सभी नए एअर कंडीशनर पर लागू होगा। यानी आने वाले दिनों में बाजार में उपलब्ध एअर कंडीशनर में तापमान 20 डिग्री से नीचे और 28 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं रखा जा सकेगा। इसका एक फायदा यह भी होगा कि बिजली की खपत कम होने से बिल की राशि भी कम होगी। घरों के अलावा सार्वजनिक भवनों, होटलों, माल, कार्यालयों, विपणन केंद्रों और कारों में लगे वातानुकूलन उपकरणों पर भी ये नियम लागू होंगे। हालांकि, घरों में लगे पुराने एअरकंडीशनर को लेकर सरकार की ओर से अभी स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। दूसरे पहलू से देखा जाए तो कमरे में बहुत कम तापमान रखना स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदेह है। विककशेषज्ञों का मानना है कि 20 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान पर रहने से सांस संबंधी समस्याएं, सर्दी-खांसी, जोड़ों में दर्द और त्वचा संबंधी दिक्कतें बढ़ जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों के लिए 24-26 डिग्री का तापमान आदर्श होता है। वैसे भी भारत जैसे देश में चार मौसम आते हैं। गर्मी यहां तेज जरूर होती है लेकिन भारत के अधिकांश आबादी इसकी अभ्यस्त भी है। अब एयरकंडीशनर का चलन बढ़ने और कंपनियों द्वारा इसे बेचने के लिये कई आकर्षक स्कीम लाने की वजह से बिजली की खपत भी बढी है तथा मौसमों का सामना करने की लोगों की क्षमता भी कम होने का खतरा बढा है।

लोकतंत्र को रौंद रहा है ट्रंप प्रशासन

पुष्परंजन

अराजकता के सम्राट ट्रंप का जब टैरिफ युद्ध से ध्यान हटता है, वो आप्रवासियों को भगाने की मुहिम में लग जाते हैं। अमेरिका को शौर से देखें तो यह देश आबाद ही हुआ बाहर से आये लोगों से। राष्ट्पति जॉन एफ कैनेडी द्वारा लिखी गई एक पुस्तक का शीर्षक ही है, 'ए नेशन ऑफ इमिग्रेंट्स'। जब उन्होंने यह किताब लिखी, तब वो सीनेटर थे। इस पुस्तक में औपनिवेशिक अमेरिका से लेकर अब तक के आप्रवासन का इतिहास, और अमेरिका में आप्रवासन कानून को उदार बनाने के प्रस्ताव शामिल हैं।

आप ट्रंप के पूर्वजों के बारे में पता कीजिये। वो खांटी अमेरिकन्स नहीं हैं। फ्रेडरिक ट्रम्प, डोनाल्ड ट्रम्प के दादा थे। जर्मनी के राइनलैंड वाले इलाके के काल्स्टेड्ट में जन्मे और पले-बढ़े, जो उस समय बावेरिया का हिस्सा था। जर्मन हैं, तो फ्रेडरिक ट्रम्प को सैन्य सेवा में अनिवार्य रूप से कुछ वर्षों के लिए जाना होता। इससे भागना ही फ्रेडरिक ट्रम्प ने तय किया। फ्रेडरिक ट्रम्प किशोरावस्था में नाई का काम करते थे। 7 अक्तूबर, 1885 को अमेरिका के लिए वन वे टिकट लेकर जहाज पर चढ़े, और फिर मुड़ कर नहीं देखा। वह न्यूयॉर्क पहुंचे, जहां उन्होंने अंततः अपना परिवार बसाया और एक रियल एस्टेट व्यवसाय में कर्मचारी से कारोबारी बन गए। फ्रेडरिक ट्रम्प के बेटे और पोते ने इस जर्मन विरासत को पूरी तरह से नकार दिया, इसके बजाय दावा किया कि उनके दादा की जड़ें स्कैंडिनेविया में उत्तर की ओर थीं। ट्रम्प ने अपनी सह-लिखित पुस्तक 'द आर्ट ऑफ़ द डील' में दावा किया, 'मैं एक बच्चे के रूप में स्वीडन से यहां आया था। पिता जर्मन, मां स्कॉटिश।' इमिग्रैंट बैकग्राउंड वाले वही ट्रम्प, आप्रवासियों के पीछे हाथ धोकर प? हैं। लॉस एंजेलिस में इमिग्रेशन छापों को लेकर हिंसक विरोध हुआ है। लोगों को काबू करने के वास्ते 2,100 नेशनल गार्ड को लॉस एंजेलिस में तैनात किया गया है। इसके अलावा 700 मरीन भेजे गए हैं। अब यहां नेशनल गार्ड की संख्या चार हजार हो गई है। इससे स्थानीय अधिकारियों और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम की चिंता और बढ़ गई है। न्यूसम पहले ही कह चुके हैं कि ट्रंप इस आग को और भड़का रहे हैं, और वह यही चाहते थे। साफ लगता है, आर्थिक मोर्चे पर फेल ट्रम्प देश का ध्यान आव्रजन नीतियों में उलझाए रखना चाहते हैं। लॉस एंजेलिस में हालात बेकाबू हैं। ट्रम्प के बारे में यही कहा जा रहा है, कि उनका व्यवहार तानाशाहों वाला हो चुका है।

ट्रम्प के जीवनी लेखक टिम ओ ब्रायन ने कहा, 'बदला वह ऑक्सीजन है, जो उन्हें बचाए रखती है।' और उन्होंने अपने इर्द-गिर्द ऐसे छोटे-मोटे लोगों को रखा है जो उनकी खूब चापलूसी करते हैं। मसखरे जैसे दिखने वाले लोग कैबिनेट बैठकों में उनका शौर्य बखान करते हैं। फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन के चेयरमैन ब्रेंडन कैर ने तो अपने कॉलर पर सुनहरे रंग का ट्रंप का सिर भी लटका रखा है। ठीक वैसे ही जैसे माओवादी करते थे। अराजकता के सम्राट ट्रंप का जब टैरिफ युद्ध से ध्यान हटता है, वो आप्रवासियों को भगाने की मुहिम में लग जाते हैं। अमेरिका को शौर से देखें तो यह देश आबाद ही हुआ बाहर से आये लोगों से। राष्ट्पति जॉन एफ कैनेडी द्वारा लिखी गई एक पुस्तक का शीर्षक ही है, 'ए नेशन ऑफ इमिग्रेंट्स'। जब उन्होंने यह किताब लिखी, तब वो सीनेटर थे। इस पुस्तक में औपनिवेशिक अमेरिका से लेकर अब तक के आप्रवासन का इतिहास, और अमेरिका में आप्रवासन कानून को उदार बनाने के प्रस्ताव शामिल हैं। 1965 से पहले, अमेरिकी आव्रजन कानून उत्तरी और पश्चिमी यूरोप के आप्रवासियों के हित में था, इनकी कोशिश थी, कि एशिया से आप्रवास को प्रतिबंधित किये रखें। 1965 के आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम ने एशिया और लैटिन अमेरिका से आप्रवास के दरवाजे खोल दिए। वर्ष 1990 के आव्रजन अधिनियम ने कानूनी आव्रजन को और भी शिथिल किया, जिससे बाड़ी देशों के अनिवासियों को कानूनी रूप से अमेरिका में प्रवेश करने की अनुमति मिल गई। 34.7 करोड़ की आबादी वाले अमेरिका में विदेश से आये लोगों की संख्या, 2023 में उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, चार करोड़ 78 लाख तक पहुंच गई, जो 2022 के मुकाबले, 16 लाख अधिक है। यह 2000 के बाद से 20 से अधिक वर्षों में सबसे बड़ी जनसंख्या वृद्धि है। वर्ष 1970 में, अमेरिका में रहने वाले आप्रवासियों की संख्या आज की तुलना में लगभग

पांचवां हिस्सा थी। 1965 में कांग्रेस द्वारा अमेरिकी आव्रजन कानूनों में बदलाव किए जाने के बाद इस जनसंख्या की वृद्धि में तेज़ी आई। ठीक से देखा जाये, तो ओरिजिनल अमेरिकी केवल दस फीसद हैं। आज अमेरिका में अनिवासी 1910 के बाद से सबसे ज़्यादा हैं, लेकिन 1890 के 14.8 फीसद रिकॉर्ड से कम मानकर चलिए।

पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़े बताते हैं, 'अमेरिका में मेक्सिको से आये आप्रवासी सबसे अधिक हैं। 2022 में यू.एस. में रहने वाले लगभग एक करोड़ छह लाख आप्रवासी वहीं पैदा हुए थे, जो टोटल यू.एस. आप्रवासियों का 23 प्रतिशत है। तीन साल पहले, अमेरिका में अनिवासियों का सबसे बड़ा समूह इंडो-अमेरिकन्स (6 प्रतिशत), चीनी (5 प्रतिशत), फिलीपीनी (4 प्रतिशत) और अल साल्वाडोर से आने वाले क्रमशः 3 फीसद बताये गए थे। लैटिन अमेरिका (27 प्रतिशत), जिसमें मेक्सिको शामिल नहीं है, लेकिन कैरिबियन (10 प्रतिशत), मध्य अमेरिका (9 प्रतिशत) और दक्षिण अमेरिका (9 प्रतिशत) शामिल हैं। यूरोप, कनाडा और अन्य उत्तरी अमेरिका 12 प्रतिशत, सब सहारा अफ्रीका के (5 प्रतिशत) और मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका (4 प्रतिशत) अनिवासी अमेरिका में बसते हैं।' ट्रंप प्रशासन, जिसने जनवरी 2025 में अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकालने के नाम पर वोट बटोरे, उसने बार -बार कसम खाई है, कि अमेरिका को 'अवैध प्रवासियों से मुक्त' कर दिया जाएगा। ट्रम्प की प्रवासन विरोधी नीतियों का दुष्प्रभाव यूरोप में प?ने लगा है। फिलहाल लॉस एंजिल्स में नेशनल गार्ड की संख्या चार हजार हो गई है। इससे स्थानीय अधिकारियों और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम की चिंता और बढ़ गई है। वैसे, यह पहला मौका है जब नेशनल गार्ड को गवर्नर की सहमति के बिना किसी राज्य में भेजा गया है। गवर्नर न्यूसम ने इसे 'सत्ता का बेशर्मी से दुरुपयोग' कहा और ऑन द रिकार्ड कहा कि राष्ट्रपति 'एक ज्वलनशील स्थिति' को भड़का रहे हैं। लॉस एंजिल्स (एलए) का ताजा अपडेट यह है, कि वहां कर्फ़्यू लगाने के तुरंत बाद 'बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां' की गई हैं। लूटपाट अराजकता फैलाने के आरोप में 200 लोगों को मंगलवार से पहले ही हिरासत में लिया जा चुका है। एलए में अराजक माहौल का असर न्यूयॉर्क सहित अन्य शहरों पर भी पड़ा है। वहां भी ट्रम्प की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन हुए हैं। गिरफ्तारियां भी हुई हैं। ट्रम्प ने 4,000 नेशनल गार्ड और 700 मरीन को भेजने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा, कि यह कदम 'एलए' जैसे शहर को 'किसी विदेशी दुश्मन द्वारा कब्जा किए जाने' से बचाने के लिए था। डेमोक्रेट जिन्हें कभी-कभी वामपंथी, उदारवादी या प्रगतिशील भी कहा जाता है, ट्रंप की आव्रजन विरोधी नीतियों का कैसे मुकाबला करते हैं? बड़ा सवाल है। ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी का सिम्बल है 'हाथी'। यह हाथी मतवाला होकर लोकतंत्र को रौंद रहा है।

साभार यह लेखक के विचार हैं

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल नीति कितनी सही, कितनी सफल

राजीव खण्डेलवाल

हम उनसे हार जाते हैं, जिनसे जीत नहीं सकते और फिर एक दिन, हम उनसे हार जाते हैं, जिनसे जीत सकते थे।

पाकिस्तान उद् जनित, पोषित आतंक के कारण हुई पहलगाम आतंकी घटना और तत्पश्चात सटीक व माकूल जवाब में किया गया ''ऑपरेशन सिंदूर'' के ''रोके जाने'' के बाद भारत सरकार द्वारा की गई ''सैन्य कार्रवाई'' को ''कवर सपोर्ट'' व उसकी निहायत ''आवश्यकता'' की जानकारी देने तथा की गई कार्रवाई को वैश्विक मंच पर न्यायोचित ठहराने के लिए अपना पक्ष मजबूती से रखने के लिए 51 सदस्यीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विश्व के विभिन्न भागों में भेजा गया। ''सैन्य कार्रवाई'' के बाद भारत की यह कूटनीतिक कार्रवाई शायद जरूरी थी। हालांकि इस ''जरूरत'' पर भी बहस हो सकती है। क्योंकि इस कूटनीति में सैन्य कार्रवाई को विश्व से वैधता प्राप्त करने का उद्देश्य भी शामिल है। यह उचित इसलिए नहीं कहा जा सकती है क्योंकि विश्व में पूर्व में हुए युद्ध या फौजी कार्रवाई में इस तरह के भेजे गए डेलिगेशन का उद्देश्य सैनिक कार्रवाई को मान्यता देने की बजाए सैनिक सहायता मित्र देशों से लेने पर ज्यादा जोर रहता था। केंद्रीय सरकार के इस राजनीतिक निर्णय को देश के भीतर सर्वत्र सराहा गया। यद्यपि सर्वदलीय दल गठित करने में सरकार द्वारा हल्की सी कुछ चुटकी, चिमटी लेकर विपक्षी दलों के सांसदों को चुनने में की गई ''हल्की राजनीति'' जिसकी आलोचना भी हुई, से बचा जा सकता था व बचना भी चाहिए था। खासकर चर्चित चेहरा ''शशि थरूर'' के चयन के तरीके को लेकर। बावजूद इसके यह ''प्रयास'' राष्ट्रीय एकता और सामूहिक स्वर का महत्वपूर्ण प्रतीक बना। तथापि इस निर्णय से एक ''सुखद हल्का सा संकेत'' यह भी निकाला गया कि देश में ''राष्ट्रीय सरकार'' बनाने की दिशा में कहीं यह पहला कदम तो नहीं है? इन यात्राओं से भारत की सैन्य और तकनीकी क्षमता को प्रदर्शित करने में सफलता मिली। ''राष्ट्रीय एकता'' का प्रदर्शन एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक संदेश था। विश्व पटल पर भारत के ''आत्मरक्षा के अधिकार'' का समर्थन कर ''ऑपरेशन सिंदूर'' की कार्रवाई को समर्थन तो मिला और भारत के साथ सहानुभूति भी दिखाई गई। परन्तु पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग करने की भारत की योजना को ''वैसी आशातीत''' सफलता नहीं मिली। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान को आतंक का ''संरक्षक व निर्माता- निर्देशक'' साबित करने की भारत की कोशिश पूरी तरह सफल नहीं हो सकी। परंतु अब जब ''दल'' लौटकर आ गये हैं, तब उनका ''बही-खाता''' बनाया जा रहा है। उपलब्धियों/असफलताओं को लेकर बहस हो रही है। लाभ-हानि के आकलनकर्ता ''ऑडिटर'' बने नेतागण परस्पर ''कदली और कांटों में कैसी प्रीत'' को चरितार्थ करते हुए एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने के चक्कर में लाभ-हानि का सही निचोड़ (परिणाम) निकाल नहीं पा रहे हैं। ''तुच्छ व क्षुद्र'' राजनीति के चलते जो सबसे खराब बात इन डेलिगेशन में गए सांसदों के विदेशों में दिए गए ''राष्ट हितैषी बयानों'' को लेकर की जा रही है, मानो ''कपास तो ओंटने के लिये बनो''। विभिन्न विपक्षी पार्टियों के सांसदों व नेतागणों के भारत सरकार की ''सुर में सुर'' मिलाते हुए विदेशों में दिए गए, ''बयानों'' का देश की

घरेलू राजनीति में ÷दुरुपयोग÷ सत्ताधारी पार्टी और मीडिया अपनी डिबेटस (बहसों) में विपक्ष को ÷अनुतरित्त÷ करने में कर रहा है, जो चिंताजनक है। यह घटिया खतरनाक राजनीति देश के बाहर के लिए, देश के अंदर बनी एकता को आगे भविष्य के लिए एक गंभीर संकट पैदा कर सकती है? ''घर का गु? घर में फोड़ लेना ज्यादा अच्छा'' होता। ख़ैर ''अपनी-अपनी ड़पली, अपना अपना राग''। 'कश्मीर'' को लेकर कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने अपने ही ''पैरो पर कुल्हाड़ी मार ली है''ड़ कश्मीर के संबंध में हमारी ''स्पष्ट स्थायी'' नीति रही है कि वह हमारा ''अभिन्न अविभाज्य'' अंग है। द्विपक्षीय वार्ता जब भी होगी, वह सिर्फ पाक अधिकृत कश्मीर के संबंध में ही होगी। परन्तु ऐसा लगता है कि जाने-अनजाने, चाहे-अनचाहे विश्व पटल पर 'कश्मीर' राष्ट्रीय और द्विपक्षीय सीमा से आगे बड़कर ''अंतर्राष्ट्रीय'' हो गया। ''कबिरा खड़ा बजार में लियो लकुटिया हाथ'' वाली यह स्थिति द्विपक्षीय नीति के लिए ''अनपेक्षित झटका'' है। विश्व के किसी भी राष्ट्राध्यक्ष से हमारे डेलिगेशन की मुलाकात न होना, अंतर्राष्ट्रीय मीडिया द्वारा हमारी यात्राओं को तवज्जो, महत्व न देने, से स्वदेशी न्यूज एजेंसी ''एएनआई'' पर ही अधिकतम निर्भरता से यात्रा ''मुकुटहीन'' हो गई। यह तो वैसा ही हुआ कि ''करघा छोड़ तमासा जाय नाहक चोट जुलाहा खाय''। यह इस बात का भी सूचक है कि सरकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राजनैतिक, राजनयिक माध्यम से वह वातावरण व दवाब नहीं बना पाई, जिस कारण से उच्च स्तरीय, प्रमुख प्रभावी लोगों से मुलाकात न हो सकी। किसी भी देश का हमारे साथ, पाकिस्तान के विरुद्ध स्पष्ट रूप से खडे न होना, आतंक का विरोध करने के बावजूद पाकिस्तान का स्पष्ट रूप से नाम लेकर आतंक का विरोध नहीं किया। आलम यह रहा कि जिस अमेरिका की दोस्ती का दम हम पिछले 11 वर्षों से भरते थे, वह ''माय फ्रेंड मोदी'' कहने वाला ट्रंप का अमेरिका तुलनात्मक रूप से पाकिस्तान के साथ ज्यादा खड़ा हुआ दिखता प्रतीत हो रहा है। यही नहीं, सुरक्षा परिषद में भी पाकिस्तान को महत्वपूर्ण स्थान दिलाने में अमेरिका की प्रमुख भूमिका रही। फिर भारत के साथ लंबे समय से दोस्ती निभाते आ रहा रूस ने भी अमेरिका के राष्टपति ट्रंप की तथाकथित मध्यस्थता पर अंततः अपनी कहीं न कहीं सहमति व्यक्त कर भारत को ''चौंका'' दिया। ''कोई हमदम ना रहा कोई हमारा ना रहा'' की स्थिति में आरोप-प्रत्यारोप से हटकर जहां तक देश की ''विदेश नीति'' का सवाल है, जो हमेशा से ''एक ही लाइन के आस-पास चलती रहती थी'', चाहे सरकार कोई भी हो। क्या इसमें कोई उल्लेखनीय बदलाव हो गया हैड़ वहीं पाकिस्तान जो कि ''चक्की में से भी साबुत निकल आये'' ऐसा आंतकी देश है, जो पहले ''एफएटीएफ'' की ग्रे सूची में शामिल था, फलस्वरुप आर्थिक प्रतिबंध लगे थे, न केवल प्रतिबंधित सूची से बाहर आ गया, बल्कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन, तुर्की, व आर्मेनिया उसके साथ ''कंधे से कंधा मिलाकर'' खड़े रहे और भारत के छोटे से छोटा सा पड़ोसी देश भी स्पष्ट समर्थन देने से कतराते नजर आये। ''बिछड़े सभी बारी बारी'' सिर्फ विश्व का एकमात्र यहूदी देश इजराइल को छोड़कर जिसे भारत ने 1948 में गठन के बाद 1950 में मान्यता देने के बावजूद 1992 में पूर्ण राजनायिक संबंध स्थापित किये थे। यह समय राजनीतिक लाभ सोचने की बजाय गंभीर आत्मचिंतन का है। भारत की विदेश नीति हमेशा दलीय सीमाओं से ऊपर रही है। आज जब देश की स्थिति, अंतरराष्ट्रीय पटल पर असहज है (जिस वस्तु स्थिति को राजनीति से परे स्वीकार किया जाना चाहिए)। ऐसे में यह सोचना आवश्यक है, क्या भारत पहली बार वैश्विक मंच पर ÷अकेला सा÷ खड़ा दिखाई दे रहा हैड़ साथ ही हम पाकिस्तान को ''आतंकिस्तान'' बताकर उसकी पूरी पोल खोलने में सफल रहे हैं क्याड़ ''दर्द सहने से बेहतर इलाज है'' क्या हमारी विदेश नीति में कोई ''मौलिक चूक'' हो गईड़ कहाँ हुईड़ कैसे उसे सुधारा जा सकता है और कब?

यह लेखक के अपने विचार हैं

आज का कार्टून

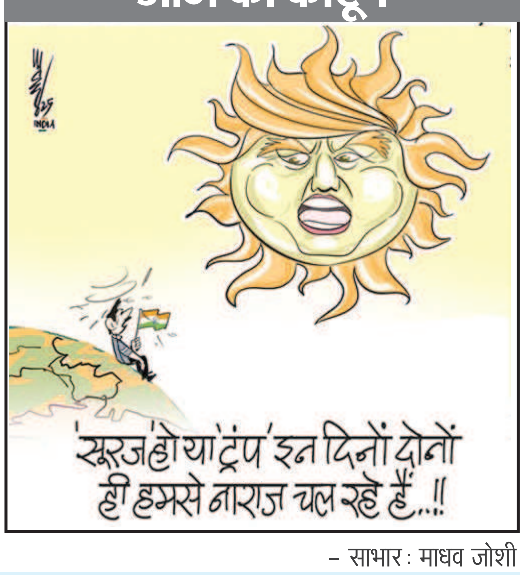

- साभार : माधव जोशी

आज का इतिहास

- 1955 इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने नॉटिंघम में दक्षिण अफ्रीका की टीम को हराया।
- 1959 यूएसएस जॉर्ज वॉशिंगटन बैलिस्टिक मिसाइलों को चलाने के लिए पहली पनडुब्बी प्रेषित की गयी।
- 1960 चीन में चक्रवती तूफान मैरी के कारण 1600 लोगों की मौत हो गई।
- 1965 वियतनाम कांग ने वियतनाम गणराज्य की सेना के साथ डोंग ङ्गश्वड्डद्ब की लड़ाई में युद्ध की शुरुआत की, जो वियतनाम युद्ध की सबसे बड़ी लड़ाइयों में से एक थी।
- 1967 सीरिया के गोलान हाइट्स को छह दिवसीय युद्ध के दौरान इजरायल द्वारा कब्जा कर लिया गया था। गोलान हाइट्स उत्तर में माउंट हर्मन से घिरा हुआ पठार है, दक्षिण में यारमुक नदी, पश्चिम में गलील और हुला घाटी का सागर और पूर्व में रक्कड़ वादी है।
- 1973 सचिवालय ने 31 लंबाई से बेलमोंट दांव जीता, एक चौथाई सदी में अमेरिकी ट्रिपल क्राउन जीत हासिल की, और 1ड्ढ मील की दूरी दौड़ के लिए ट्रैक रिकॉर्ड और वर्ल्ड रिकॉर्ड बार 2ञ्24
- 1975 ऑर्डर ऑफ़ ऑस्ट्रेलिया को पहली बार सम्मानित किया गया।
- 1983 मार्गरेट थैचर के नेतृत्व में ब्रिटेन के आम चुनावों में कंज़र्वेटिव पार्टी ने लगातार दूसरी बार बहुमत हासिल किया।
- 1999 कोसोवो युद्ध के दौरान यूगोस्लाविया के संघीय गणराज्य और नाटो द्वारा एक शांति संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह नाटो के हवाई समर्थन के साथ संघीय गणराज्य यूगोस्लाविया और कोसोवो लिबरेशन आर्मी की सेनाओं के बीच लड़ा गया युद्ध था।
- 2007 अमेरिकी राष्टपति जॉर्ज डब्ल्यू। बुश ने रूसी और सर्बियाई विरोध के बावजूद कोसोवो की स्वतंत्रता पर संयुक्त राष्ट की कार्रवाई का आह्वान किया। कोसोवो दक्षिण-पूर्वी यूरोप में एक विवादित क्षेत्र है जो सर्बिया से स्वतंत्रता का दावा करता है।
- 2010 अफगानिस्तान के कंदहार जिले के अरगंदब जिले में एक लड़के ने बम पहनकर आत्मघाती हमला किया, जिसमें कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 अन्य घायल हो गए।
- 1830 फ्रांस ने अल्जीरिया के उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया शुरु की थी।
  1852 ताइपिंग विद्रोहञ् ताइपिंग बलों ने हुनान में प्रवेश किया।
- 1864 यूनियन जनरल उलेइसेस एस। ग्रांट ने अपने सैनिकों को हनोवर काउंटी में कोल्ड हार्बर से निकाला, जो अमेरिकी गृहयुद्ध में सबसे खून से लथपथ लड़ाईयों में से एक था।
- 1889 रनवे यात्री गाड़ियां उत्तरी आयरलैंड के एक वर्तमान ट्रेननियर अराघ से टकराईं।

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का आयोजन

संकुल स्तरीय संघों के समग्र क्षमता संवर्धन हेतु दिया जा रहा प्रशिक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत नर्मदापुरम द्वारा संकुल स्तरीय संघों (सीएलएफ) के पदाधिकारियों की क्षमता संवर्धन एवं संस्थागत विकास के उद्देश्य से श्री प्रतीक राव मुख्य कार्यपलन अधिकारी जिलए पंचायत नर्मदापुरम के निर्देश में पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दिनांक 09 जून 2025 से 13 जून 2025 तक माखन नगर स्थित सामुदायिक प्रबंधित प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित किया जा रहा है। प्रारंभिक चरण में जिले के विकासखंड बनखेड़ी के उन्नति संकुल स्तरीय संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य भाग ले रहे हैं। सभी विषय विशेषज्ञ जिला प्रबंधकों एवं सहायक जिला प्रबंधकों द्वारा आशीष शर्मा जिला परियोजना प्रबंधक के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य संकुल संघों की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना, संस्थागत सुशासन को मजबूत करना, वित्तीय प्रबंधन को पारदर्शी और उत्तरदायी बनाना तथा आजीविका गतिविधियों के क्रियान्वयन को सशक्त बनाना है। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को संस्था संचालन, कर्मचारी नीति, योजना निर्माण, आजीविका गतिविधियों का प्रबंधन एवं संचालन तथा रिपोर्टिंग की विधियों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इसके अलावा, वित्तीय समावेशन, सीआईएफ, वीआरएफ, बैंक लिंकेज, ऋण प्रक्रिया एवं ऋण वापसी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी गहन चर्चा की जा रही है।

प्रशिक्षण में डिजिटल सशक्तिकरण पर भी विशेष जोर दिया गया है, जिसमें लोकस पोर्टल, एमआईएस जैसी डिजिटल प्रणालियों के उपयोग और डेटा संकलन की प्रक्रिया को समझाया जा रहा है।

प्रतिभागियों को लखपथी दीदी मॉडल, कृषि सखी, पशु सखी, उत्पादक समूह, किसान उत्पादक कंपनियाँ, नमो ड्रोन दीदी, पीएमएफएमई योजना जैसी आजीविका आधारित पहलों की जानकारी दी जा रही है ताकि वे अपने क्षेत्रों में इन गतिविधियों का सफल संचालन कर सकें।

इसके अतिरिक्त प्रशिक्षण में कौशल विकास, रोजगार मेला, आरसेटी प्रशिक्षण, युवाओं का नियोजन और सामुदायिक सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण आयामों को भी समाहित किया गया है। प्रतिभागियों को वित्तीय लेखा परीक्षा, लेखांकन प्रक्रिया, बजटिंग तथा सामुदायिक उपार्जन प्रक्रिया की बारीकियों से भी अवगत कराया जा रहा है। यह प्रशिक्षण सहभागिता आधारित पद्धतियों जैसे व्याख्यान, समूह चर्चा, ऑडियो विडिओ , केस स्टडी, प्रजेंटेशन एवं व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से संचालित किया जा रहा है, जिससे प्रतिभागियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त हो रहा है बल्कि वे व्यवहारिक रूप से भी दक्ष बन रहे हैं। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया जायेगा, फीडबैक लिया जाएगा और सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले के संकुल संघों को संगठित, सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत, समग्र एवं दूरदर्शी प्रयास है, जिसकी सकारात्मक छाप ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अवश्य परिलक्षित होगी।

ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर के क्रियान्वयन की प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम. नर्मदापुरम जिले में ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर के क्रियान्वयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी क्रम में तहसील, अनुविभाग और ब्लॉक स्तर पर कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ई ऑफिस प्रणाली का विस्तृत प्रशिक्षण मनीष गुणवान, डीआईओ एनआईसी एवं संदीप चौरसिया, जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस द्वारा प्रदाय किया गया। प्रशिक्षण में समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), समस्त तहसीलदार, समस्त नायब तहसीलदार, समस्त सहायक ई - गवर्नेंस प्रबंधक एवं उनके स्टाफ को मिलकर लगभग 85 अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खम्बे की केबिल जलीने , 80 घरो की रातभर बिजली सप्लाई रहीं बंद

तेंदूखेड़ा। नगर के वार्ड क्रमाक 8 में बिजली के खम्बे की केबिल जल जाने के कारण रात 12 बजे सुबह 8 बजे तक लगभग 80 घरो की बिजली सप्लाई बंद रही। जिस कारण लोगो को रातभर जागकर कांटनी पड़ी। जैसे रात में लीड़ जलने की सूचना प्राप्त हुई थी बैसे कर्मचारियों ने केबिल सुधारने का प्रयास किया था लेकिन बिजली सप्लाई चालू नहीं हो पाई थी। सुबह से ही विजली कम्पनी के कर्मचारियों ने 4 बिजली के खम्बो की केबिल को बदला गया एवं सुचारूप से लगभग सुबह साढे आठ बजे बिजली की सप्लाई चालू की गई। लाईनमेप सुधीर पटैरियां ने बताया कि रात में बिजली के खम्बे की लीड़ जलने की सूचना प्राप्त हुई थी जिसके बाद हम लोगो 12 बजे से लगभग दो बजे तक केबिल को सुधारने का प्रयास किया गया था लेकिन केबिल अधिक जलने के कारण विजली की सप्लाई चालू नहीं हुई थी। जिस कारण सुबह पूरी नई केबिल विछाई गई है।

कलेक्टर ने 16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट को प्रतिबंधित किया

नर्मदापुरम। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने 16 जून 2025 से 15 अगस्त 2025 तक की अवधि में मत्स्याखेट को प्रतिबंधित किया है। तत्संबंध में कलेक्टर ने आदेश जारी कर बताया है कि मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा 3 (2) के अंतर्गत 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु घोषित किया गया है। इस अवधि में मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन एवं मत्स्य विपणन पूर्णत: प्रतिबंधित है। मध्यप्रदेश शासन, मछलीपालन विभाग के निर्देशानुसार छोटे तालाब या अन्य स्त्रोत जिनका कोई संबंध किसी नदी से नही है ओर जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नही लाया गया है, को छोडकर समस्त नदियों व जलाशयों में बंद ऋतु में मत्स्याखेट पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर ने जारी आदेशा में कहा है कि उपरोक्त प्रावधानों के उल्लंघन की दशा में मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र (संशोधन) अधिनियम 1981 की धारा 5 के अंतर्गत उल्लघंनकर्ता को एक वर्ष तक का कारावास या पांच हजार रूपये तक का जुर्माना या दोनो से दंडित किये जाने का प्रावधान है। अत- जन साधारण एवं मत्स्य पालको को सूचित किया गया है कि 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधी में किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट परिवहन, विपणन प्रतिबंधित रहेगा। व्यक्ति ना तो स्वयं इस प्रकार का कार्य करें और ना ही अन्य किसी व्यक्ति को उक्त कार्य के लिए सहयोग दें।

भारतीय किसान संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सोपा तहसीलदार को ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत ने किसानों के हित में एक ज्ञापन मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम तहसीलदार विवेक व्यास को बुधवार को सौपा है इस ज्ञापन के माध्यम किसानों से संबंधित मांगे रखी गई है जिसमें दमोह जिले में इस वर्ष बहुत से किसान भाइयों ने गर्मी में मूंग की बोनी की है, अंत आंकड़े बताते हैं कि मूंग का उत्पादन का - रकवा में वृद्धि तिसरी फ़सल से आर्थिक विकास निश्चित ही होगा, परंतु किसान भाइयों को मूग के खुले बाजार में कीमत नहीं मिल पा रही हैं। भारतीय किसान संघ समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी करने की आपसे मांग करता है।, आगामी सीजन में भी उड़द और मक्का पर भी उचित समीक्षा कर समर्थन मूल्य पर खरीदी मुनिश्चित की जाए। ऊपर खरीदी की जाए। डी ए पी खाद्य की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग करता है। दमोह जिले में संचालित समस्त सिंचाई परियोजना पर समीक्षा करने एवं प्राक्कलन के आधार पर संपूर्ण कार्य कराए जाने की मांग करता है, ताकि दमोह जिले का सम्पूर्ण रकवा सिंचित किया जा सके।कृषि उपज मंडी में किसानों द्वारा लाए गए माल की सीधे ट्राली से डाक होने की व्यवस्था की जाने की मांग की गई है ज्ञापन में भारतीय किसान संघ ने आशा की है कि समस्त मांगों पर समीक्षा कर किसान हितों में कार्यवाही की जावेगी। साथ ही उपरोक्त् सभी मांगे अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील है। अत: सात दिवस के अंदर पूर्ण की जावे, अन्यना आरतीय किसान संघ बड़े आंदोलन करने हेतु बाध्य रहेगा जिसकी जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने वालों में किसान संघ की तहसील अध्यक्ष किशन श्रीपाल ,भोला यादव, मथुरा प्रसाद दुबे, मुन्ना यादव, गुड्डू ,शंकर सिंह, रज्जन यादव, हुकम प्रजापति, नोकेलाल यादव, हरिदास पाल, गुड्डा रघ्घु, सहित अन्य किसान उपस्थित रहे

बोर्ड की द्वितीय परीक्षा के लिए कलेक्टर ने लगाई अधिकारियों की ड्यूटी

नर्मदापुरम। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा निर्धारित समय-सारणी के अनुसार हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी की द्वितीय परीक्षा 17 जून 2025 से 5 जुलाई 2025 तक प्रात: 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आयोजित की जाएगी। यह परीक्षाएं जिले के कुल 19 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न होंगी। परीक्षा की सुचारु एवं सुरक्षित संचालन हेतु कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा कलेक्टर प्रतिनिधियों की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षा सामग्री का वितरण कलेक्टर द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि, तहसील नर्मदापुरम नगर के देव शंकर धुर्वे के मार्गदर्शन में किया जाएगा। यह सामग्री सभी निर्धारित परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षित रूप से पहुंचाने की जिम्मेदारी संबंधित कलेक्टर प्रतिनिधियों को सौंपी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्मदापुरम तहसील अंतर्गत 5 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इसी प्रकार तहसील इटारसी अंतर्गत 1, तहसील माखननगर अंतर्गत 2, तहसील सोहागपुर अंतर्गत 4, तहसील पिपरिया अंतर्गत 2, तहसील बनखेड़ी अंतर्गत 1, तहसील सिवनी मालवा अंतर्गत 3 एवं तहसील इटारसी केसला अंतर्गत 1 केंद्र निर्धारित किये गये है। कलेक्टर सुश्री मीना ने निर्देशित किया है कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि परीक्षा केंद्रों से 100 गज की परिधि में कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति या अवांछित गतिविधि न हो।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर दी बाल अधिकारों की जानकारी

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर तहसील विधिक सेवा समिति गंजबासौदा के तत्वावधान में ग्राम हथौड़ा में एक महत्वपूर्ण विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बाल श्रम उन्मूलन के प्रति जागरूकता बढ़ाना और बच्चों के कानूनी अधिकारों के बारे में आमजन को शिक्षित करना था। इस आयोजन में सामाजिक संस्था रुद्राक्ष ह्यूमन वेलफेयर सोसायटी और सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कम्पेशन ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश विमलेश मुडैया ने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने मानव तस्करी और बलपूर्वक श्रम करवाने पर प्रतिबंध हेतु आमजन को जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया। न्यायाधीश मुडैया ने बच्चों और उपस्थित ग्रामीण जनों को बालश्रम, बंधुआ मजदूरी, शिक्षा का अधिकार, चिकित्सा का अधिकार, निःशुल्क विधिक सहायता, संविधान के मूलभूत अधिकार और मूल कर्तव्य जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने पीड़ित प्रतिकर योजना 2015 के साथ-साथ बच्चों को दुर्व्यवहार, उपेक्षा, शोषण और भेदभाव से सुरक्षा संबंधी कानूनी प्रावधानों की भी जानकारी दी।

मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड का आयोजन

बच्चे जानेंगे एमपी का समृद्धशाली इतिहास पर्यटन क्विज स्पर्धा के पंजीयन 25 जून से

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी पर्यटन क्विज प्रतियोगिता प्रदेश स्तर पर किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता दो चरणों में होगी। प्रथम चरण 1 अगस्त 2025 को जिला स्तर पर होगा, वहीं दूसरा चरण 26 सितंबर 2025 को राज्य स्तर पर होगा। इस प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी हिस्सा ले सकेंगे। पंजीयन 25 से प्रारंभ होंगे। इसकी अंतिम तिथि 18 जुलाई 2025 को शाम 05.30 बजे तक है।

गौरतलब है कि प्रदेश के समृद्धिशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधताओं, कला, प्राकृतिक समृद्धि, महापुरुषों, पर्यटन महत्व की संभावनाओं आदि से विद्यार्थियों को अवगत कराने और पर्यटन के

माध्यम से जागरूक करने के उद्देश्य से %पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। वर्ष 2016 से इस प्रतियोगिता का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। इसमें मध्यप्रदेश के समस्त जिलों में एक साथ व एक ही तिथि को मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा जिला प्रशासन, जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद एवं स्कूल शिक्षा के सहयोग से 2 चरणों (जिला स्तरीय एवं राज्य स्तरीय) में किया जाता है। वर्ष 2024 में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय लगभग 7300 स्कूल के 21900 बच्चों ने प्रतिभागिता की थी।

ऑनलाइन होंगे पंजीयन

विद्यालय प्राचार्य/प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों की टीम का पंजीयन 25 जून 2025 से ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। https://www.mptourism.com/tourismquizw®wz/schools/ लिंक पर जाकर पंजीयन कराया जा सकता है

श्रद्धांजलि सभा में विधायक ने कहा-दीक्षित की मौत की उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी

नर्मदापुरम। शहर के होनहार युवक अक्षय दीक्षित की मौत को लेकर शीघ्र ही उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी. हम सब पीड़ित परिवार के साथ हैं. यह बात क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर सीताशरण शर्मा ने स्वर्गीय अक्षय दीक्षित यह द्वितीय पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कहीं. विगत 2 वर्ष पूर्व सड़क दुर्घटना में युवा नेता अक्षय दीक्षित का निधन हो गया था. उसकी द्वितीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा के आयोजन में विधायक डॉक्टर सीताशरण शर्मा पीयूष शर्मा अखिलेश खंडेलवाल अजय दुबे डी एसडांगी अश्वनी तिवारी विनोद परसाई नरेंद्र दीक्षित मोहम्मद अकरम खान डॉक्टर मयंक तोमर डॉक्टर आदिल फ़ाज़ली ओम प्रकाश मालवीय ओपी तिवारी नरेंद्र पटेल मांगीलाल मसानिया भानु प्रताप सपा सुचित्रा यादव अनीता जाट सुशीला बरगले जय बाला निगम अर्चना पुरोहित कृष्णाशर्मा कें एनत्रिपाठी हेमंत शर्मा ब्लॉक कांग्रेस

अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी फैजान उल हक के साथ ही विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं मित्रगण सभा में उपस्थित हुए. पंडित महेश शर्मा के नेतृत्व शांति पाठ किया गया उपरांत वक्ताओं ने पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए स्वर्गीय अक्षय दीक्षित को श्रद्धांजलि अर्पित की. सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के संरक्षक कृपाल सिंह राजपूत ने अक्षय दीक्षित के व्यक्तित्व एवं कृतित्व अपने विचार व्यक्त किए अजय दुबे द्वारा संबोधित करते हुए कहा गया कि अक्षय के साथ गए हुए मित्रों की संवेदना कहां मर गई थी जहां उसे घायल अवस्था में छोड़कर आ गए बलराम शर्मा ने उपस्थित जन समुदाय से निवेदन किया कि अक्षय दीक्षित की मौत पर उठे सवाल पर पुलिस महानिदेशक के सम्मुख प्रस्तुति की जाना चाहिए जिसके लिए सभी को संगठित होकर यह कार्य को अंजाम दिया जाना चाहिए डॉक्टर सीता शरण शर्मा ने दीक्षित परिवार को एवं उपस्थित जन समुदाय को आश्वत कर कहा कि शीघ्र ही उच्च स्तरीय जांच करवाई जाएगी.

मेट्रो एंकर शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय इटारसी में युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला सम्पन्न

रोजगार मेले में 197 छात्र-छात्राएं, स्वरोजगार योजना में 28 लोग लाभान्वित हुए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय इटारसी में युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का सफल आयोजन हुआ। उक्त कार्यक्रम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार संपंन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. सीता शरण शर्मा, विधायक नर्मदापुरम, और जय किशोर चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने दीप प्रज्वलन, सरस्वती पूजन और माल्यार्पण किया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा ऋण वितरण एवं ऑफर लेटर वितरण किया गया । उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित किया एवं मेला प्रभारी टी प्रतीक राव अनुविभागीय अधिकारी ने बच्चों से आमने-सामने बात करके बच्चों को रोजगार एवं स्वरोजगार के बारे में जानकारी दी एवं बच्चों से भी उन्होंने अपने विचार साझा किये । इस अवसर पर श्रीमती बबीता राठौर डिप्टी कलेक्टर ने भी बच्चों को उद्बोधन दिया । कार्यक्रम में सुश्री

प्रियंका भलावी डिप्टी कलेक्टर ने बच्चों को रोजगार के लिए प्रेरित किया । ब्रजेन्द्र राव सिटी मजिस्ट्रेट द्वारा भी बच्चों को मार्गदर्शन दिया गया । जिला रोजगार कार्यालय अधिकारी डॉ ए बी खान एवं जिला रोजगार प्लेसमेंट धर्मेश तिवारी उपस्थित रहे । धर्मेश तिवारी के कुशल नेतृत्व में संपूर्ण रोजगार मेले की व्यवस्था संपन्न हुई । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि का स्वागत प्राचार्य आर के चोलकर एवं विद्यावती सूर्यवंशी विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रिकल द्वारा किया गया एवं इनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ । कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से कुणाल सराठे ने बच्चों को रोजगार मेले से जुड़ने के लिए प्रेरित किया । श्रीमती पल्लवी शर्मा एवं श्रीमती शिवांगी मालवीया द्वारा मंच संचालन किया गया । कॉलेज स्टाफ में भूपेंद्र जोठे, लोकेंद्र सिंह बनाफर, विकास सिद्धू, प्रबल गौर, निखिल विजयवार, श्रीमती सोनिया सराठे, श्रीमती इति महालहा, श्रीमती हेमलता शुक्ला, कुमारी नैनी पटेल, श्रीमती अनीता वर्मा, कुमारी नेहा केदारे, आशीष चौरे, श्री लखन लाल कोरी, अंकित मिश्रा, हरि ओम नरवरे, प्रवेश चौरे, नीलेश गौर, शैलेन्द्र सिंह राजपूत, अंकुश आदि उपस्थित रहे ।

रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पर 16 निजी क्षेत्र की कंपनियों और 8 स्वरोजगार विभागों ने भाग लिया। जिसमें 720 छात्रों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाया, जिनमें से 362 छात्र-छात्राएं मेले में उपस्थित रहे। जिसमें से 169 छात्रों को प्राथमिकता स्तर पर चयनित किया गया और स्वरोजगार योजना के तहत 28 लोगों को लाभान्वित किया गया। इस प्रकार, कुल 197 छात्र-छात्राओं को लाभान्वित किया गया।

संघ का संकल्प भारत माता की जय : राजेंद्र खोड़के

सिरोंज। विद्या भारती का आचार्य अभ्यास वर्ग के प्रथम संवाद सत्र में मुख्य वक्ता के रूप उपस्थित राजेंद्र खोड़के ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एवं संघ के बिभिन्न संघटन विषय पर विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि काल के प्रवाह में राष्ट्र जीवन आए अनेक दोषों को दूर कर एक संगठित, चारित्र्यसंपन्न और सामर्थ्यवान राष्ट्र के रूप में भारत को परम वैभव तक ले जाने हेतु परम पूजनीय डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने सन 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य प्रारम्भ किया। संघकार्य का बीजारोपण करते हुए, डॉ हेडगेवार ने दैनिक शाखा के रूप में व्यक्ति निर्माण की एक अनूठी कार्यपद्धति विकसित की, जो हमारी सनातन परंपराओं व मूल्यों के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र निर्माण का नि-स्वार्थ तप बन गया। उनके जीवनकाल में ही इस कार्य का एक राष्ट्रव्यापी स्वरूप विकसित हो गया। द्वितीय सरसंघचालक पूजनीय श्री गुरुजी (माधव सदाशिव गोलवलकर) के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्रीय जीवन के विविध क्षेत्रों में शाश्वत चिंतन के प्रकाश में कालसुसंगत युगानुकूल रचनाओं के निर्माण की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई।

लंबे समय से बंद नाला बनाने का काम फिर हुआ शुरू

सिरोंज। मंडी बाईपास रोड पर नाला बनाने का काम कई दिनों से बंद पड़ा हुआ था काम को एक बार फिर से प्रारंभ करवा दिया है इसके बाद नाला निर्माण की समस्या जल्द ही दूर हो जाएगी एक दूसरे से कनेक्ट करने कार्य बारिश शुरू नहीं होने पर तो बड़ी समस्या भी उत्पन्न होगी जिसकी खबर हमारे संवाददाता ने पिछले दिनों प्रकाशित की थी उसके बाद एसडीएम ने ठेकेदार को भी नाला बनाने का काम शुरू करने निर्देश दिए थे। वहीं अब जाकर ठेकेदार ने इस काम को शुरू किया है जल्दी ही इस काम को पूर्ण नहीं किया गया तो बारिश का दौर प्रारंभ होने पर नाला बनाने का काम भी नहीं हो पाएगा सबसे बड़ी समस्या एक दूसरे से नाले कनेक्ट नहीं होने के कारण निर्मित होगी इसी लिए तेज गति से इस काम को ठेकेदार से नगर पालिका प्रशासन को करना होगा तभी पानी निकासी की समस्या का समाधान होगा नहीं तो बड़ी समस्या अधूरे नाले के कारण बनेगी ।

आईटीआई में 216 सीटों के लिए 1395 आवेदन आए, पोर्टल पर पंजीयन 16 तक

सिरोंज। शासकीय आईटीआई विदिशा में 10वीं और 12वीं कक्षा पास करने वाले युवाओं का रुझान तकनीकी शिक्षा की ओर बढा है। पहली बार आईटीआई में सीटों की तुलना में 216 सीटों के लिए 1395 (645 प्रतिशत) आवेदन प्राप्त हुए हैं। आईटीआई के प्रभारी प्राचार्य श्री रावत ने बताया कि शासकीय आईटीआई विदिशा में 8 व्यवसायों में 216 सीट उपलब्ध हैं। प्रथम एवं द्वितीय चरण के प्रवेश पंजीयन हेतु पोर्टल 16 जून 2025 तक खुला है। इसलिए काफी संख्या में आवेदन आने की संभावना है। पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष छात्राओं ने भी बड़ी संख्या में आईटीआई में पंजीयन कराया है। सबसे ज्यादा आवेदन इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मोटर मैकेनिक एवं कोपा ट्रेड में हुए। मेरिट के आधार पर होगा सीटों का आवंटन, डिपार्टमेंट आफ टेक्निकल एजुकेशन स्किल डेवलपमेंट विभाग की ओर से आईटीआई में प्रवेश प्रक्रिया आयोजित की जा रही हैं। छात्र-छात्राएं 16 जून तक पंजीयन कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया को प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन पंजीयन किया जा रहा है। मैरिट के आधार पर सीटों का आवंटन होगा। रोजगार की असीम संभावनाएं आईटीआई में पढ़ाई जाने वाले कोर्स छात्रों के रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं फिटर और इलेक्ट्रिकल ट्रेड्स की मांग सबसे ज्यादा है। क्योंकि यह सेक्टर स्थाई रोजगार प्रदान करते हैं। प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन पंजीयन किया जा रहा है रोजगार की असीमित संभावनाएं आईटीआई में पढ़ाई जाने वाले कोर्स छात्रों के रोजगार को संभावनाओं कोध्यान में रखकर तैयार किये गए हैं फिटर और इलेक्ट्रिकल ट्रेड्स की मांग सबसे ज्यादा है, क्योंकि यह सेक्टर स्थाई रोजगार प्रदान करते हैं। इच्छुक आवेदक विभाग की वेबसाइट www.dsd.mp.gov.in पर जाकर प्रवेश रजिस्ट्रेशन-2025 लिंक से पंजीयन कर सकते हैं। शासकीय आईटीआई विदिशा में महिला आवेदकों के लिए 35 प्रतिशत सीट आरक्षित हैं। प्रवेश प्रभारी श्री आलोक रावत प्रशिक्षण अधिकारी द्वारा बताया गया की इच्छुक आवेदक संस्था की हेल्पडेस्क पर संपर्क कर भी अपना पंजीयन करा सकते हैं।

एलबीएस कॉलेज के परिसर से हाई टेंशन लाइन को हटाने काम प्रारंभ

सिरोंज। एलबीएस कॉलेज और परिसर से 33 केवी लाइन निकली हुई है इस वजह से हमेशा दुर्घटना होने का खतरा रहता है ।इसको लेकर कई बार प्राचार्य और छात्र भी बिजली लाइन को यहां से शिफ्ट करवाने की करते आ रहे थे। वहीं विधायक विधायक उमाकांत शर्मा को भी इन्हें अपनी परेशानी से अबगत कराया था इसके बाद उन्होंने बिजली वितरण कंपनी से इन लाइनों को शिफ्ट करवाने की बात कही थी। गुरुवार को महाविद्यालय के ऊपर और

परिसर से हाई टेंशन लाइन को हटाकर दूसरी जगह शिफ्ट करने का कार्य किया गया इसके बाद स्टाफ और छात्रों मे खुशी की लहर देखने को मिली इसी तरह अन्य लाइनों को भी व्यवस्थित करवाने का काम विधायक और प्रशासन को जनहित में करवाना होगा अभी कहीं से भी बिजली के पोल निकाले होने के कारण यहां हादसे होने का डर बना रहता है।

किसानों के नाम पर लाखों की गड़बड़ी : 5 रुपए थाली योजना में घोटाला

3 कर्मचारियों व ठेकेदार को मंडी सचिव न थमाए नोटिस, 3 दिन में मांगा जवाब

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी में 5 रूपए भोजन थाली योजना में कृषकों के नाम पर घोटाला उजागर होने की खबर हमारे संवाददाता द्वारा प्रमुखता प्रकाशित की थी इसके बाद एसडीएम हर्षल चौधरी के निर्देश पर गुरुवार को मंडी सचिव एलएन भिलाल ने मंडी इंस्पेक्टर रमेश अहिरवार, उप निरीक्षक नंदराम पंथी तथा स्थाई कर्मचारी राजकुमार शर्मा तथा मंडी में रसोई संचालित करने वाले ठेकेदार देवेंद्र राजपूत को नोटिस जारी करके तीन दिवस में स्पष्टीकरण मांगा है संतोजनक जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर मामले में आगे करवाई होगी । मंडी सचिव ने बताया कि मंडी के स्थाई कर्मचारी ,उप निरीक्षक और इंस्पेक्टर को 5 रुपए भोजन थाली योजना में रिकॉर्ड में गड़बड़ी मिलने पर जवाब मांगा है इसी तरह ठेकेदार को साफ सफाई के साथ गुणवत्ता एवं किसानो की संख्या अधिक रिकार्ड में हेरा फेरी के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है इसके बाद सभी पक्षों के जवाब आने के बाद आगे कार्रवाई होगी । एसडीएम के निरीक्षण में इन सबके गोलमाल की पोल खुली थी हमारे संवाददाता ने ठेकेदार के साथ मंडी के कई अधिकारी और कर्मचारियों की साठगांठ के बगैर इतना बड़ा घोटाला नहीं हो सकता है। इसका उल्लेख खबर में किया था इसके बाद इनको भी नोटिस दिया गय है । वहीं निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे ।मंडी के इन अधिकारी कर्मचारियों के ऊपर कार्रवाई की बात नहीं कही थी खबर के बाद इनकी भूमिका की

भी पड़ताल हो रही है। विकास खंड में भ्रष्टाचार करने वालों खुलेआम शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं में पलीता लगाकर बड़े-बड़े कारनामों को अंजाम दे रहे है गड़बड़ी करने वालों पर ठोस कार्रवाई नहीं होने से इनके हौसले बुलंद हो रहे हैं ।

एसडीएम के निरीक्षण के बाद घोटाला आया सामने

बुधवार को कृषि उपज मंडी का औचक निरीक्षण करने के लिए एसडीएम हर्षल पहुंचे तो किसाने के नाम पर भोजन थाली योजना में गड़बड़ी उजागर हुई थी इसके बाद उन्होंने संचालक पर तत्काल मामला दर्ज करने और टेंडर समाप्त करके निर्देश मंडी सचिव को दिए । इसके बाद टेंडर लेने वाले तथा मंडी के कई अधिकारियों, कर्मचारियों के चेहरों की रंगत बदल गई थी यहां पर महीने से किसानों के नाम पर इस खेल को अंजाम देकर लाखों का गोलमाल किया गया है जांच के बाद इनकी पोल खुली यहां लोग कई महीनो से इस काम को है अंजाम दे रहे थे। वहीं सरकार के द्वारा कृषकों को मंडी में रियायती दरों पर भोजन उपलब्ध कराने वाली कैंटीनों पर एसडीएम जब पहुंचे और वहां पर उपलब्ध भोजन को देखा तो मौके पर 15 से 20 लोगों का खाना ही उपलब्ध था जबकि इनके रजिस्टर में प्रतिदिन 400 से अधिक किसानों को भोजन करने का रिकॉर्ड दर्शा कर किसानों के नाम पर बड़े गोलमाल को अंजाम दिया जा रहा है। जिसको देखकर एसडीएम ने संचालक को तत्काल फटकार लगाते हुए कहा कि इस तरह की लापरवाही किसी हालात में बर्दाश्त नहीं की जाएगी कृषकों के नाम पर इतना बड़ा गोलमाल हो रहा है इस पर उन्होंने मंडी के सचिव और अधिकारियों को भी खूब खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि किसानों के नाम पर फर्जीवाड़ा हो रहा है कोई देखने के लिए नहीं आ रहा है आंखें बंद करके भुगतान कर रहे हो इसके बाद उन्होंने सबसे पहले टेंडर निरस्त किया जाए इसके बाद शासन की राशि का दुरुपयोग करने पर प्रकरण दर्ज करवाया ने के निर्देश भी दिए है । एसडीएम को 1-30 के करीब यहां पर पहुंचे थे और उन्होंने देखा रसोई में केवल छोटी सी डालियां में 10 से 15 किसानों को ही खाना नजर आ रहा था चार से पांच लोग उस यहां पर दौरान मौजूद थे भोजन वितरण रिकॉर्ड रजिस्टर में बड़ी संख्या में किसानों के नाम दर्ज थे एक दिन पहले रिकॉर्ड में 428 किसानों के नाम अंकित रजिस्टर में दिख रहे थे। सबसे बड़ी बात तो एक ही व्यक्ति के द्वारा अलग-अलग व्यक्तियों के साइन किए हुए ऐसा भी प्रतीत हो रहा था। श्री चौधरी के सामने गड़बड़ी करने वालों की पोल भी खुल गई और कार्रवाई से बचने के लिए कैंटीन संचालक कई तरह के बहाने बना रहा था पर इसके बाद एसडीएम ने आसपास के लोगों और किसानों से जब इसकी सच्चाई जानने के के लिए इसे चर्चा की तो किसानों ने बताया कि हम यहां पर भोजन करने नहीं जाते हैं गिन चुने किसान ही पहुंचते हैं इतनी संख्या में किस कभी यहां पर नहीं आ सकते। रजिस्टर पर एक तरह के ही साइन दिखाई दे रहे है फर्जीवाड़ा करने के लिए इनके द्वारा नाम जरूर अलग-अलग किसानों के लिखे हुए हैं इतनी संख्या में किसान मंडी में आ नहीं रहे हैं उससे ज्यादा संख्या भोजन वितरण में किया जा रही है क्योंकि शासन से मंडी में रसोई की व्यवस्था की गई है गुणवत्ता के साथ भोजन नहीं मिलने से किसानों कैंटीन में खाना खाने नहीं आते अधिकांश किसान अपने घरों से भोजन लेकर आते हैं इस वजह से यहां पर खाना खाने बहुत कम किस पहुंचते है पर कागजों में जरूर किसानों के नाम दर्ज करके बड़े कारनामे को अंजाम दिया गया है। इसकी बारीकी से जांच हो जाए तो कई मंडी कई अधिकारी कर्मचारियों की मिली भारत भी उजागर हो सकती है क्योंकि कैंटीन संचालक बिना इनकी सहमति के इतने बड़े गोलमाल नहीं कर सकता हैं यहां के रिकॉर्ड की जांच के बाद ही इनका भुगतान होता है कितने समय से गड़बड़ी हो रही है इसमें मंडी से कोई अधिकारी कर्मचारियों शामिल ना हो संभव नहीं है।

कई महीनो से चल रहा था गोरख धधा

कृषि उपज मंडी में आने वाले किसानों को 5 रुपए थाली योजना के अंतर्गत भोजन प्रदान करने के नाम पर महीने इस तरह से फर्जीवाड़ा करके कृषकों की संघ के अधिक दर्ज करके लाखों रुपए निकलने का कार्य किया गया है। इस योजना में ?5 किस से लेना है और 2 कृषि मंडी से ठेकेदार को दिए जाते हैं 12 पाने के लिए फर्जी रिकॉर्ड तैयार करके इस खेल को कई महीनो से किया जा रहा था इस काम की देखरेख करने वाले मंडी के कई अधिकारी कर्मचारी की बगैर मिली भगत बगैर ठेकेदार इस कारनामे को अंजाम नहीं दे सकता है मॉनिटरिंग करने रिकॉर्ड के साथ पर्ची देने वाले के लिए अलग-अलग व्यक्ति की ड्यूटी थी इन सब ने आंखें बंद करके इस खेल को अंजाम दिलवाया है अब इन सब पर जल्दी ही कार्रवाई की गज गिरने बाली है।

इनका कहना है

5 रुपए थाली योजना में गड़बड़ी सामने आने पर मंडी कर्मचारी , मंडी इंस्पेक्टर और उप निरीक्षक तथा ठेकेदार को नोटिस जारी करके 3 दिन में स्पष्टीकरण मांगा इसके बाद आगे कार्रवाई ।

-एलएन भिलाल
मंडी सचिव

संबल योजनान्तर्गत विदिशा जिले के 85 परिवार लाभान्वित होंगे

सिरोंज। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अंतर्गत शुक्रवार 13 जून की सांय 5.50 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा बरगी जिला जबलपुर से अनुग्रह सहायता के कुल 6821 प्रकरणों में 300 करोड़ रूपये सिंगल क्लिक के माध्यम से हितग्राहियों के बैंक खातों अंतरित करेंगे। सहायक श्रम पदाधिकारी श्री गौड़ ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में विदिशा जिले के 85 प्रकरणों में 18900000 (एक करोड़ नवासी लाख) रूपये की राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित होगी। जिला स्तर पर एनआईसी विदिशा में तथा जिले की समस्त जनपद पंचायतों एवं नगर पालिकाओं में कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे जिसमें क्षेत्र के जन प्रतिनिधिगण एवं संबल योजना के हितग्राही एवं पंजीकृत श्रमिक उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का संपूर्ण मध्यप्रदेश में लाइव प्रसारण होगा।

वन परिक्षेत्र झलोंन में सागौन से भरी स्कॉर्पियो गाड़ी पकड़ी

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

वन परिक्षेत्र झलौन अंतर्गत आर एफ 156 बीट डुकरसता से सूचना प्राप्ति हुई कि वेशकीमती सागौन की अवैध कटाई कर वाहन से परिवहन किया जाना है। वन मंडल अधिकारी ईश्वर जरांडे एवं उपवन मंडल अधिकारी प्रतीक दुबे को जानकारी देकर उचित मार्गदर्शन प्राप्त कर वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में रेंजर सतीश मसीहा डिप्टी रेंजर शंकर सिंह ठाकुर द्वारा वन अमले के साथ जासूसी लगाना शुरू किया। शंकर ठाकुर डिप्टी रेंजर ने बताया है कि मुखविर की सूचना हमे रात करीब 12 बजे मिली उसी समय हम लोग स्टाफ को लेकर बीट डुकरसता को निकले जहा पर पेड़ काटा गया था हमें देखकर आरोपियों ने भागना शुरू किया, हम लोगो ने भी पीछा किया आरोपी डुकरसता गाव में से घुसे ओर वे कही खो गए हमारे चोकीदार चारो तरफ हर

रास्ते पर बैठे थे मगर गाड़ी रात को जंगल से बाहर नही गयी हमारी छानबीन जारी रही और करीब सुबह 6 बजे गाड़ी हमे आर एफ 155 बीट झलौन में मिली गाड़ी पंचर हालत में मिली। जिसे हम लोगो ने अभिरक्षा में लिया और आगे की कार्यवाही की जा रही है।आरोपियों की तलाश जारी है।वेश कीमती सागौन लाल कलर की स्कॉर्पियो गाड़ी क्रमांक एम पी 04 एच बी 0224 पर 1.26 घन मीटर जिसकी कीमत लगभग एक लाख सात हजार दो सौ सात रुपए बताई जा रही है। गौरतलब बात यह है कि जहां पर अवैध कटाई की जा रही है वह क्षेत्र वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आता है लेकिन अधिकारियों ओर स्टॉप की उदासीनता दर्शाता है। खैर वन परिक्षेत्र झलौन स्टॉप की सतर्कता से सफलता प्राप्त हुई। इस कार्यवाही में चौकीदार इदरीस खान, जलील खान, बाबूलाल रैकवार, वाहन चालक ब्रजेश ठाकुर वन अमले की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उप वन मंडल के अंतर्गत आने वाले झलौन वन परिक्षेत्र में वन माफिया द्वारा पेड़ों की अवैध कटाई की जारी है और वन विभाग इसे रोकने नाकाम साबित हो रहा है। डुकरसता बीट में सैकड़ों बेशकीमती सागौन के वृक्षों को वन माफिया काट कर ले गए। वहीं अन्य बीट में भी पेड़ों की कटाई जारी है। गौर करने वाली बात ये है कि पेड़ों को काटने के बाद बचने वाले ठूंठ जिमेदारों को नजर नहीं आ रहे हैं। कक्ष क्रमांक आर एफ 156 एवं आर 155 में कटाई हुई है। जहां कटाई के ठूंठ इस कटाई की दास्तान बयां कर रहे है। डुकरसता बीट में बड़ी संख्या में हरे भरे पेड़ों को काट कर जंगल में सफाया किया जा रहा है। जहां पर वनों की कटाई थमने का नाम नहीं ले रही है। जहां वन परिक्षेत्र में विभाग का अमला वनों की सुरक्षा के प्रति गंभीर दिखाई नहीं देता है। संबंधित अधिकारी जंगलों की अवैध कटाई रोकने में नाकाम है

भारतीय किसान संघ का कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग संपन्न, 5 सत्रों में टी ट्रेनिंग

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

भारतीय किसान संघ का कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ। एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग पांच सत्रों में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। ग्राम इकाई के कार्यकर्ताओं को किसान संघ की कार्य पद्धति रीति नीति ग्राम समिति के नियमित कार्य,पंच परिवर्तन ,आंदोलन आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ग में उद्घाटन सत्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री महेश चौधरी द्वारा कार्यकर्ताओं को ग्राम समिति के

नियमित कार्य एवं किसानों को जैविक खेती हेतु प्रोत्साहित करने के विषय में बताया गया। प्रांत मंत्री दिनेश दुबे एवं अन्य वक्ताओं ने

कार्यकर्ता निर्माण एवं किसान को स्वाबलंबी बनाकर राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने आदि विषयों पर मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण वर्ग में 30 गांव के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।अन्य सत्रों में संभाग अध्यक्ष बिशन सिंह बघेल , एवं जिला अध्यक्ष प्रशांत जैन ने संगठन की रीति नीति के बारे में बताया जिला मंत्री महेंद्र सिंह रघुवंशी एवं जिला कोषाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव के द्वारा संगठन की कार्य पद्धति एवं ग्राम समिति के नियमित कार्यों का विषय रखा।

तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र पालीवाल , लटेरी तहसील अध्यक्ष चंद्रभान सिंह बघेल ने आभार व्यक्त किया वहीं सुरेंद्र सिंह बघेल, सुनील बघेल ने संचालन किया गया। इस दौरान अशोक शर्मा , अमृत सिंह रघुवंशी, चंद्रशेखर माथुर,दीपक धाकड़, मनोहर राजपूत, चरणसिंह राजपूत आदि मौजूद थे।

मेट्रो एंकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल बेमिसाल: विकसित भारत संकल्प सभा की बैठक का हुआ आयोजन

मोदी के नेतृत्व में स्वर्णिम भारत पूरी दुनिया का नेतृत्व करेगा : शिवहरे

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल बेमिसाल, विकसित भारत संकल्प सभा की बैठक डां खरे अस्पताल में आयोजित की गई। जिसमें राज्यमंत्री के अनुज सतेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं आज जिस प्रकार से देश मोदी जी के नेतृत्व में आगे बढ रहा हैं न कि पूरे देश एवं पूरी दुनिया में भारत का मान सम्मान बढा हैं। वैश्विक मंच पर भारत की मजबूती बढी हैं। सेवा सुशासन गरीब कल्याण आत्मनिर्भर भारत विकसित भारत की संकल्पना की अवधारणा को पर काम किया जा रहा हैं। जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी

केंद्र की सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए हर क्षेत्र में काम किया हैं। पिछले 11 वर्षो की गरीब कल्याणकारी योजनाओं के बारे बताया। आजाद भारत के इतिहास में जिस प्रकार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में नेतृत्व मिला हैं आने वाले स्वर्णिम वर्ष में भारत पूरी दुनिया का नेतृत्व करेंगा। सांसद प्रतिनिधी रूपेश सेन ने कहा कि पार्टी संगठन की गतिविधियों को विस्तार से समझाया। प्रत्येक शक्ति केंद्र में बैठक की जाएं जिससे आगामी 1 माह तक पार्टी संगठन के चलने वाले कार्यक्रम बूथ स्तर पर संचालित किए जाएं। इस दौरान बैठक में मंडल अध्यक्ष संतकुमार पाल, सांसद प्रतिनिधी मूरत सिंह लोधी, नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद यादव, उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव, डां परम सिंह लोधी, अनीता ठाकुर, विवेक जैन, राजू रसिया, चेतन जैन, शुभम जैन, दीपक कटारे, राजकुमार ठाकुर, गुड्डू दुबे, रघुनाथ पाल, रूपसिंह यादव, सुरेंद्र सेन, हल्के भाई घोषी, विपिन घोषी, ईश्वर बेन भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फाइनल में सबसे बेहतर प्रदर्शन

डब्ल्यूटीसी के मौजूदा चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने कमिंस

लंदन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 चक्र के फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। कमिंस ने मैच की पहली पारी में फाइव विकेट हॉल पूरे किए। कमिंस की शानदार गेंदबाजी की मदद से दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 138 रन पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 212 रन बनाए थे, इस तरह कंगारू टीम को 74 रनों की बढ़त हासिल हुई।

ऑस्ट्रेलिया के लिए कमिंस ने छह विकेट लिए, जबकि मिचेल स्टार्क को दो और जोश हेजलवुड को एक सफलता मिली। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि टीम के सिर्फ चार बल्लेबाज ही दहाई अंक तक पहुंच सके। कमिंस का यह प्रदर्शन डब्ल्यूटीसी फाइनल में किसी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। कमिंस ने इस मामले में काइल जैमिसन को पीछे छोड़ जिन्होंने 2021 में भारत के खिलाफ 31 रन देकर पांच विकेट लिए थे।

300 विकेट पूरे करने वाले आठवें ऑस्ट्रेलियाई – कमिंस ने इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट पूरे कर लिए हैं और वह ऐसा करने वाले आठवें ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं। कमिंस ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले छठे गेंदबाज भी बन गए हैं। वह ग्लेन

बुमराह से आगे निकले कमिंस

डब्ल्यूटीसी के मौजूदा चक्र में सबसे ज्यादा बार फाइव विकेट हॉल भी कमिंस के नाम हो गए हैं। उन्होंने छठी बार डब्ल्यूटीसी 2023-25 चक्र में ऐसा किया। इतना ही नहीं, कमिंस मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए हैं। उनके नाम अब तक 2023-25 चक्र में 79 विकेट हो चुके हैं। उन्होंने दोनों ही मामलों में भारत के जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ दिया है।

कप्तान के तौर पर नौवीं बार टेस्ट की एक पारी में झटके पांच विकेट

कमिंस ने कप्तान के तौर पर नौवीं बार एक पारी में पांच या इससे अधिक विकेट झटके हैं। टेस्ट में सबसे ज्यादा बार फाइव विकेट हॉल पूरे करने वाले कप्तान इमरान खान हैं जिन्होंने 12 बार ऐसा किया है। कमिंस और रिची बेनॉड नौ-नौ बार ये उपलब्धि हासिल कर इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

स्टीव स्मिथ लॉर्ड्स स्टेडियम में टॉप विदेशी स्कोरर, इंग्लैंड में 18वीं फिफ्टी लगाई

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जब ऑस्ट्रेलिया 64/4 के विकेट के साथ संघर्ष कर रही थी तब स्टीव स्मिथ ने उन्हें मुश्किल से निकाला और लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। स्मिथ ने ट्रेविस डेस के साथ पांचवें विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी की जिससे ऑस्ट्रेलिया को 212 रन तक पहुंचने में मदद मिली। स्टीव स्मिथ 591 रन के साथ लॉर्ड्स में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज बन गए हैं। इसके लिए उन्होंने 10 इनिंग्स ली और 59.10 की औसत से रन बनाए। स्मिथ का लॉर्ड्स में हाइएस्ट स्कोर 215 रहा है। लिस्ट में दूसरे स्थान पर अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी वॉरेन बार्डस्ले हैं जिन्होंने लॉर्ड्स में 7 इनिंग्स में 115 की औसत और 193 के हाइएस्ट स्कोर के साथ 575 रन बनाए हैं। तीसरे स्थान पर वेस्टइंडीज के गैरी सोबर्स हैं जिन्होंने 9 इनिंग्स में 95.16 की औसत और 163 के हाइएस्ट स्कोर के साथ 571 बनाए हैं। चौथे और पांचवं नम्बर पर ऑस्ट्रेलिया के डॉन ब्रैडमैन और वेस्टइंडीज के शिव चंद्रपॉल हैं।

राहुल ने वापसी कर रहे करुण नायर के संघर्ष को सराहा, कहा-

वापसी उनके दोस्तों और परिवार के लिए खास, अच्छे दौरे का भरोसा जताया भी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड दौरे से लंबे समय बाद वापसी कर रहे करुण नायर के संघर्ष को सराहा। करुण को सात साल बाद भारत के लिए खेलने का मौका मिला है। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया जिसके बाद उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में जगह मिली है। करुण ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनौपचारिक मुकाबले में दोहरा शतक भी लगाया था।

माना जा रहा है कि करुण को 20 जून से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 में मौका मिल सकता है। राहुल ने अपने करीबी दोस्त करुण के लिए विशेष संदेश दिया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा जारी किए गए वीडियो में राहुल ने कहा कि वह जानते हैं कि काउंटी क्रिकेट खेलते समय करुण को किन संघर्षों का सामना करना पड़ा क्योंकि उन्हें अपने परिवार से दूर रहना पड़ा था।

राहुल बोले- करुण की वापसी खास

राहुल ने कहा कि 33 वर्षीय करुण की टीम में वापसी उनके, उनके परिवार और दोस्तों के लिए खास है। भारतीय बल्लेबाज को उम्मीद है कि इंग्लैंड में करुण का अनुभव दौरे के दौरान उनके काम आएगा। राहुल ने कहा, मैं उन्हें बहुत लंबे समय से जानता हूं और उन्होंने यहां इंग्लैंड में क्रिकेट खेलते हुए जो महीने बिताए, वह कितना कठिन और कितना अकेला था और उनके लिए यह सब कर पाना और भारतीय टीम में वापस आना कितना खास है। मुझे लगता है कि यह उनके लिए, उनके परिवार के लिए और हमारे जैसे दोस्तों के लिए खास है, जिन्होंने उनका सफर देखा है। इसलिए, जैसा कि मैंने कहा यह बहुत प्रेरणादायक भी है और उम्मीद है कि काउंटी क्रिकेट खेलने से उनका अनुभव और उनकी सीख उन्हें टेस्ट मैच खेलने में मदद करेगी।

मौका भुनाने के लिए तैयार करुण

करुण ने इसी वीडियो में कहा कि एक बार फिर मौका मिलना उनके लिए विशेष अनुभव है और वह इसे दोनों हाथों से भुनाने के लिए उत्सुक हैं। करुण ने कहा, यह वाकई बहुत खास है, बहुत आभारी हूं और बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे यह अवसर फिर से मिल रहा है। मैं इस अवसर को दोनों हाथों से भुनाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मुझे खुद उस भावना का अनुभव करना होगा और वहां जाकर खुद के लिए इसे महसूस करना होगा और मुझे यकीन है कि बहुत सारी भावनाएं होंगी, जिन्हें मैं अभी व्यक्त नहीं कर सकता और यह एक विशेष भावना होगी।

टीम इंडिया का इंग्लैंड दौरा: 20 जून से होगा आगाज

मौजूदा फॉर्म और गेंदबाजी संयोजन पर भारतीय टीम प्रबंधन की नजर

बेकेनहैम (केंट), एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला से पहले भारत की सीनियर टीम और भारत ए के बीच शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले चार दिवसीय अभ्यास क्रिकेट मैच में टीम प्रबंधन सही संयोजन तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस मैच में कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन पर निगाह रहेगी और भारतीय टेस्ट टीम की अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए इन दोनों के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की संभावना है।

यह मैच 20 जून से हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच से पहले सीनियर टीम का एकमात्र अभ्यास मैच होगा। किसी भी श्रृंखला से पहले इस तरह के मैच टीम की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने यह मैच खाली स्टेडियम में खेलने का विकल्प चुना है ताकि विपक्षी टीम को उनकी रणनीति की भनक नहीं लग सके। यूरोपीय फुटबॉल क्लब लंबे समय से ऐसा करते रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में भी ऐसा किया था। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा था कि यह मैच भारत की तैयारी की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि सामान्य अभ्यास सत्रों से एक दिन में 90 ओवर गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण करने की क्षमता विकसित करना मुश्किल होता है। इस चार दिवसीय मैच को आधिकारिक तौर पर प्रथम श्रेणी का दर्जा प्राप्त नहीं है। इसमें यदि कोई बल्लेबाज सस्ते में आउट हो जाता है तो उसे दूसरा मौका मिलता है। इस मैच से भारतीय टीम प्रबंधन को मैच की परिस्थितियों में अपने खिलाड़ियों विशेष कर गेंदबाजों का आकलन करने का अच्छा मौका मिलेगा।

बुमराह के लिए अच्छे साबित हो सकते हैं कुलदीप

कुलदीप यहां की परिस्थितियों में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अच्छे सहयोगी साबित हो सकते हैं। जडेजा बनाम कुलदीप अंतिम एकादश के लिए सबसे बड़ी पहेली है जिसे गंभीर और कोचिंग स्टाफ को सुलझाना होगा। इसी तरह इस मैच से कोचों और कप्तान शुभमन गिल को यह देखने का मौका मिलेगा कि आकाश दीप की फुल लेंथ या प्रसिद्ध कृष्णा की बैक ऑफ द लेंथ में से कौन सी गेंद इन परिस्थितियों में बेहतर काम करती है। छह महीने बाद लाल गेंद से मैच खेलने वाले बुमराह को कई स्पैल में गेंदबाजी करने और अपनी फिटनेस को परखने का मौका मिलेगा।

अस्मि, स्नेहा और यथार्थ करेंगे प्रदेश का प्रतिनिधित्व

तीन खिलाड़ी 24 वीं राष्ट्रीय जूनियर वूशू प्रतियोगिता-2025 के लिए हुए चयनित

नई दिल्ली, एजेंसी

सतना मार्शल आर्ट एकैडमी के ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने एक बार फिर से सतना के साथ साथ पूरे प्रदेश को किया गौरांवित। दिसंबर 2024 को मध्यप्रदेश वूशू संघ की मान्यता इंडिया वूशू द्वारा खत्म कर दी गई थी, और खिलाड़ियों के हित में राष्ट्रीय एड-हॉक कमेटी का गठन किया गया था जिसने देवास में 07 और 08 को ट्रायल हुआ जिसमें जिसमें सतना मार्शल आर्ट एकेडमी के 12 खिलाड़ियों ने जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव डा. संदीप भारती के मार्गदर्शन में हिस्सा लिया और शानदार प्रदर्शन करते हुए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की ब्रांड एम्बेसडर, गोल्डन गर्ल अस्मि भारती, स्नेहा पयासी और यथार्थ रजक ने गोल्ड पर कब्जा किया वहीं अध्ययन भारती, अथर्व त्रिपाठी, अनुष्का मिश्रा, मेघा सिंह, राजीव अग्निहोत्री, यश राय, दीपांश सिंह, आराध्या द्विवेदी और ओम पाठक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक जगह बनाई। असमी, स्नेहा और यथार्थ हैदराबाद के गोचीबल्ली स्टेडियम में 01 जुलाई से 06 जुलाई तक आयोजित होने वाली 24वीं राष्ट्रीय वूशू प्रतियोगिता में विश्वामित्र अवॉर्डी सारिका गुप्ता के मार्गदर्शन में हिस्सा लेंगे।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

मुझसे गलती हुई, वांगा के आरोप पर बोले आमिर खान, महिला विरोधी गाने करने के लगाए थे आरोप

आमिर खान ने फिल्म डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के उनके मशहूर गाने 'खंभे जैसी खड़ी है' पर की गई आलोचना पर रिएक्ट किया है। आमिर ने माना कि इस गाने में महिलाओं को ऑब्जेक्ट की तरह पेश किया गया था। और उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में ऐसे कंटेंट को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी भी ली।

बॉलीवुड में अक्सर ही ऐसे गाने बनते रहे हैं जहां हीरोइन को या महिलाओं को ऑब्जेक्टिफाई किया जाता रहा है। ऐसा ही एक गाना आमिर खान ने भी किया था। उनकी मशहूर फिल्म दिल का गाना खंभे जैसी खड़ी है को इसके एग्जाम्पल के तौर पर दिया जाता रहा है। खुद आमिर भी इस बात को मानते हैं कि ये गाना सही नहीं था। तब कोई इतनी गहराई से नहीं सोचता था। जूम से बात करते हुए आमिर ने अपने पुराने फैसलों पर आत्मचिंतन किया और बताया कि अब वो पहले से ज्यादा संवेदनशील हो गए हैं। उन्होंने कहा- मैंने वो किया था, और उस वक्त मुझे वो अच्छा लगा था। लेकिन बाद में समझ आया कि वो सही नहीं था। अगर मुझसे कोई गलती होती है तो मुझे माफी मांगने में कोई दिक्कत नहीं है। मुझे भी लगता है कि अपने करियर की शुरुआती दौर में मैंने कई ऐसे काम किए जो सही नहीं थे, जैसे महिलाओं को ऑब्जेक्ट की तरह दिखाना। उस गाने में। महिलाओं की सचमुच चीजों से तुलना की गई थी। मैंने शायद उस लड़की की तुलना कम से कम 25 अलग-अलग चीजों से की थी। ये कोई अच्छी बात नहीं है।

साउथ से बॉलीवुड तक बड़ी फिल्मों की पहली पसंद हैं दीपिका पादुकोण,

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण पिछले दिनों काफी चर्चा में रहीं। वजह थी एनिमल डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की अगली फिल्म स्पिरिट से उनका बाहर निकलना। वांगा की स्पिरिट उन सबसे बड़े पैन-इंडिया प्रोजेक्ट्स में से एक है जिनका इंतजार जनता टकटकी लगाए कर रही है। फिल्म के हीरो प्रभास हैं और इसमें कई इंटरनेशनल एक्टर्स की कास्टिंग को लेकर भी रिपोर्ट्स आ रही हैं।

ऐसे में अचानक से दीपिका का इस फिल्म से अलग होना और उनके फिल्म छोड़ने की वजहों को लेकर सोशल मीडिया पर काफी डिस्कशन चलता रहा। मगर इस सारे शोरशराबे से दूर दीपिका ने इसपर कुछ भी रियेक्ट नहीं किया। जब दुनिया स्पिरिट से उनकी एग्जिट पर चर्चा कर रही थी तभी दीपिका का नया प्रोजेक्ट अनाउंस हो गया और ये फिल्म खुद इंडिया की सबसे बड़ी फिल्मों में गिनी जा रही है।

ये दीपिका के स्टारडम का कद बताता है। इस वक्त वो ऐसी फॉर्म में हैं कि उनके पास एक से बढ़कर एक बड़े प्रोजेक्ट हैं। बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस कही जाने वालीं दीपिका को ये प्रोजेक्ट अब इंडिया की सबसे बड़ी एक्ट्रेस बनाने का दम रखते हैं।

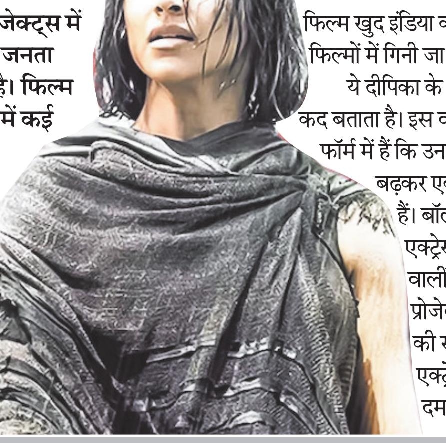

लॉकडाउन के बाद दीपिका का दम

चेन्नई एक्सप्रेस, पद्मावत और हैप्पी न्यू ईयर जैसी कई बड़ी बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर फिल्मों का हिस्सा रह चुकीं दीपिका ने लॉकडाउन के बाद वाले दौर में वो मुकाम हासिल कर लिया है कि बड़े स्केल और बजट वाले हर प्रोजेक्ट के लिए मेकर्स पहले उनके नाम पर जरूर विचार करते हैं। लॉकडाउन के बाद उनकी पहली थिएट्रिकल रिलीज शाहरुख खान के साथ पठान थी। सबसे बड़ी इंडियन फिल्मों की लिस्ट में शामिल प्रोजेक्ट का हिस्सा होना दीपिका के करियर के लिए एक बड़ा बूस्ट लेकर आया। पठान शाहरुख जैसे सुपरस्टार की ऐसी फिल्म थी, जिसकी अनाउंसमेंट के बाद से ही सारा फोकस उन्हीं पर था। फिर भी दीपिका ने अपने लिए एक ऐसा किरदार चुना जो सिर्फ हीरो के साथ रोमांटिक रिलेशनशिप में नहीं है, बल्कि फिल्म के प्लॉट में भी उसका बहुत बड़ा रोल है। इससे ये दिखा कि सुपरस्टार्स का भौकाल

मेट्रो बाजार

रिटेल महंगाई छह साल के निचले स्तर, मई में 2.82 प्रतिशत पर आई

नई दिल्ली। सरकार द्वारा बुधवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, मई 2025 में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर महज 2.82त्न पर आ गई है, जो बीते छह वर्षों का सबसे निचला स्तर है। महंगाई में यह गिरावट मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में स्थिरता के कारण देखने को मिली है। यह आंकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक के 4 प्रतिशत के लक्षित दायरे से काफी नीचे है, जिससे मौद्रिक नीति में नरमी की संभावनाएं और मजबूत हो सकती हैं। इससे पहले अप्रैल में

रिटेल महंगाई घटकर 3.16 प्रतिशत पर आई गई थी। ये महंगाई का 69 महीनों का निचला स्तर है। जुलाई 2019 में महंगाई 3.15 प्रतिशत रही थी। वहीं मार्च 2025 महीने में रिटेल महंगाई 3.34 प्रतिशत रही थी। ये महंगाई का 5 साल 7 महीने का निचले स्तर था।

आरबीआई ने महंगाई का अनुमान घटाया– इससे पहले 4 से 6 जून तक हुई आरबीआई मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में भी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए महंगाई का अनुमान 4 प्रतिशत से घटाकर 3.7 प्रतिशत कर दिया था। आरबीआई ने अप्रैल-जून तिमाही के लिए अपने मुद्रास्फीति अनुमान को 3.6 प्रतिशत से घटाकर 2.9 प्रतिशत कर दिया।

भारत का माल, सेवा निर्यात चालू वित्त वर्ष में 900 अरब डॉलर के पार पहुंच सकता है

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद 2025-26 में भारत के वस्तु एवं सेवा निर्यात के 900 अरब अमेरिकी डॉलर के पार पहुंचने की उम्मीद है। रूस-यूक्रेन संघर्ष, इजराइल-हमास युद्ध और लाल सागर संकट के कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद देश का समग्र निर्यात 2023-24 में 778 अरब अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 2024-25 में 825 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। गोयल ने भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा, हमने पिछले वित्त वर्ष निर्यात में 825 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया। वैश्विक उथल-पुथल के बीच हम चालू वित्त वर्ष में निश्चित रूप से निर्यात में 900 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएंगे।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, स्वीडन की अपनी आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे है। इस यात्रा के दौरान वह दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए स्वीडन के अपने समकक्ष तथा कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अनुमान के अनुसार, देश के समग्र वस्तु एवं सेवा निर्यात के 2025-26 में सालाना आधार पर 21 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1000 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

नानी के कमरे में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित भानपुर गांव में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश उसकी नानी ने तड़के तीन बजे फांसी के फंदे पर लटकी देखी थी। नानी का शोर सुनकर अन्य परिजन की नींद खुली तो युवक की मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है। पुलिस के अनुसार मोनू लोधी पिता कल्लू लोधी (31) गांव भानपुर में अपने मामा राजकुमार के घर रहता था। वह प्राइवेट काम करताड़था और शराब पीने का आदी था। राजकुमार ने बताया कि बुधवार रात सभी लोग खाना खाकर सो गए थे। रात में मोनू कब उठा किसी को जानकारी नहीं है। रात में उसने अपनी नानी के कमरे में फांसी लगा ली। सुबह करीब तीन बजे नानी की नींद खुली तो उन्होंने मोनू को फांसी के फंदे पर लटका देखा था।

पांच डीईओ सहित पन्द्रह अधिकारियों के हुए ट्रांसफर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के 5 जिला शिक्षा अधिकारियों सहित 15 बीईओ व अन्य अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, विदिशा के प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी आरके ठाकुर को आरएसके सहायक संचालक, टीकमगढ़ प्रभारी डीईओ इंदुलाल अठया को बीईओ, विकासखंड पटेरा, दमोह, गुना प्रभारी डीईआ चंद्रशेखर सिसोदिया को बीईओ, विख अशोकनगर, अशोक नगर प्रभारी डीईओ नीरज शुक्ला को बीईओ विख चाचौड़ा, गुना, सतना डीईओ तरूणेंद्र प्रताप सिंह को प्राचार्या, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, रीवा भेजा गया है। वहीं बीईओ सहित 10 अन्य अधिकारियों के भी तबादले किए गए हैं।

डॉक्टर के रिटायर्ड इंजीनियर पिता से 41 लाख की ठगी करने वाला गिरफ्तार

आरोपी ने बैंक सिस्टम के लूप होल का फायदा उठाकर बनवा ली थी नई चैकबुक

आरटीजीएस के माध्यम से किए थे ज्वेलर्स के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा पुलिस ने डॉक्टर रश्मि देव पुजारी के रिटायर्ड इंजीनियर पिता से 41 लाख 36 हजार 520 रुपए की ठगी करने वाले जालसाज को गिरफ्तार कर लिया है। जालसाज न्यू मार्केट का कपड़ा व्यापारी निकला। आरोपी से 4 सोने के सिक्के जब्त किए है। इसके अलावा 5 लाख 29 हजार रुपए की नगदी बरामद की गई। ठगी में हाथ लगी रकम से खरीदे गए अन्य सिक्के आरोपी ने अलग-अलग व्यक्तियों को दिल्ली सराफा बाजार में 22 लाख रुपए में बेच दिए। जबकि कुछ रकम अपनी बहन की शादी पार्टी में खर्च कर दी। जानकारी के अनुसार 22 मई को डॉक्टर रश्मि देव पुजारी शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि उनके 87 साल के पिता कमलाकर खडीकर के बैंक आफ इंडिया की दाता कॉलोनी स्थित शाखा से 41 लाख 36 हजार, 520 रुपए का ट्रांजेक्शन किसी जालसाज ने आरटीजीएस के माध्यम से कर लिया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ

धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच की। जांच में सायबर सेल की मदद भी लगी गई। डॉक्टर देव पुजारी से पूछताछ और के खाते से आरटीजीएस किए गए दूसरे बैंक अकाउंट की जानकारी हासिल की गई। इसके अलावा बैंक प्रबंधन से भी जानकारी जुटाई गई। बैंक प्रबंधन ने बताया कि फरियादी के खाते से नई चेकबुक बैंक सिस्टम के लूप होल का फायदा उठाकर जारी गई थी। चेक बुक जारी होने के बाद आरोपी जालसाज ने फर्जी हस्ताक्षकर कर बैंक अकाउंट से आरटीजीएस के माध्यम से राजधानी के अलग-अलग ज्वैलर्स से संपर्क कर उनसे सोने के सिक्के खरीद लिए। ज्वैलर्स की दुकान पर आने जाने तथा बैंक मे आने-जाने के लिए आरोपी ने फर्जी सिमकार्ड के माध्यम से रेपिडो एवं ओला, ऊबर का इस्तेमाल किया। इतना ही नहीं रेपिडो एवं ओल ऊबर के ड्राइवरों को भेजकर पार्सल उठवाए।

तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी तक पहुंची पुलिस

ओला, ऊबर और रेपिडो चालक से पूछताछ, पीएसटीएन डाटा, टावर डंप, सीडीआर, आईएमईआई सर्च और बैंक सहित सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने जालसाज अंशुल आयलानी (28) लेक पर्ल गार्डन एयरपोर्ट रोड दाता कालोनी को गिरफ्तार किया। आरोपी ने धोखाधड़ी करने की बात स्वीकार ली है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी अंशुल बीकाम ग्रेजुएट है और न्यूमार्केट में कपड़े की दुकान चलाता है। वह शातिर है उस पर पूर्व से ही चैक बाउंस के आधा दर्जन केस दर्ज है।

ट्रेनों में चोरी करने वाला गिरोह सक्रिय, आधा दर्जन चोरी की वारदात

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली यात्री ट्रेनों में सामान चुराने वाला गिरोह सक्रिय है। गिरोह ने आधा दर्जन वारदातों को अंजाम देकर लाखों रुपए के मोबाइल चोरी कर लिए। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर

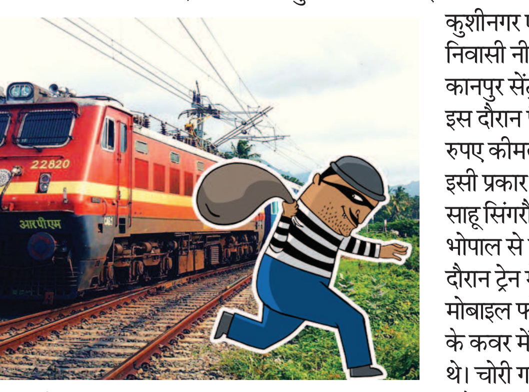

दी है। जानकारी के अनुसार भोपाल निवासी मोहर सिंह अपनी पत्नी निकिता के साथ बीना जाने के लिए रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। ट्रेन सुबह होने के कारण वह प्लेटफार्म क्रमांक -2 पर इटारसी आउटर पर बैग रखकर सो गए। कुछ समय बाद नींद खुली तो उनके दोनों बैग गायब थे। चोरी गए बैगों में 20 हजार रुपए नकद, सोने की लौंग, मंगलसूत्र, कपड़े, टिफिन समेत हजारों का सामान रखा हुआ था। इसी प्रकार नरसिंहपुर निवासी संजय ठाकुर नर्मदा एक्सप्रेस के जनरल कोच में श्रीधाम से इंदौर की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान उनकी पेंट की जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी हो गया। चोरी गए मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपए बताई गई है। इधर भुवननेश्वर उड़ीसा निवासी अशोक कुमार परिडा हमसफर एक्सप्रेस के एसी कोच में अपने परिवार के साथ भुवनेश्वर से इंदौर की यात्रा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपना मोबाइल फोन चार्जिंग पाइंट पर लगाया और से गए। भोपाल स्टेशन निकलने के बाद नींद खुली तो उनका मोबाइल फोन गायब हो चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपए बताई गई है।

कुशीनगर एक्सप्रेस में हुई वारदात विदिशा निवासी नीरज प्रजापति कुशीनगर एक्सप्रेस में कानपुर सेंट्रल से भोपाल की यात्रा कर रहे थे। इस दौरान पैंट की जेब में रखा उसका 17 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन चोरी हो गया। इसी प्रकार गंजबासौदा विदिशा निवासी राहुल साहू सिंगरौली एक्सप्रेस के जनरल कोच में भोपाल से गंजबासौदा की यात्रा कर रहा था। इस दौरान ट्रेन में चड़ते समय किसी ने उसकी जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। चोरी गए मोबाइल के कवर में डेड़ हजार रुपए नकदी भी रखे हुए थे। चोरी गए मोबाइल की कीमत 12 हजार रुपए बताई गई है। युवती के पर्स से उड़ाया मोबाइल शाहजहांनाबाद भोपाल निवासी जोया बेग गंजबासौदा जाने के लिए भोपाल स्टेशन पहुंची थी। प्लेटफार्म क्रमांक-2 पर खड़ी मेमो ट्रेन में चढने् के दौरान देखा कि उनके पर्स की चैन खुली है। चैक करने पर पर्स के अंदर रखा 16 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन गायब था। इसी प्रकार दिल्ली निवासी अशोक प्रसाद वर्मा अपने परिवार के साथ तेलंगाना एक्सप्रेस में दिल्ली से नागपुर की यात्रा कर रहे थे। इस दौरान वह अपने तीनों मोबाइल फोन पिलो के नीचे रखकर सो गए थे। भोपाल स्टेशन के आसपास नींद खुली तो तीनों मोबाइल फोन गायब थे। चोरी गए मोबाइलों की कुल कीमत सवा लाख रुपए बताई गई है। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लूट के पैसों से ली थी कार व महंगी बाइक, पांच आरोपी गिरफ्तार, 2 की तलाश

टीटी नगर पुलिस ने 24 लाख की लूट का किया खुलासा, कर्ज चुकाने और ईद मनाने की थी लूट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर थाना क्षेत्र में हुई 24 लाख की लूट के मामले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर किया है, जबकि दो आरोपियों की तलाश जारी है। लूट की इस सनसनीखेज वारदात का एक सीसीटीवी फुटेज भी मिला है। पुलिस ने इस प्रकरण में शाहरुख, दानिश अरबाज, जैद, फरदीन को दबोच लिया, जबकि रेहान और समीर फरार है। लूट के मास्टर माइंड रेहान, समीर और शाहरुख है। पुलिस ने बताया कि 6 जून को गुजरात के एक व्यापारी के कलेक्शन एजेंट विजय ठाकुर से बदमाशों ने लूट की थी। घटना के समय कलेक्शन एजेंट कलेक्शन का 24 लाख रुपए लेकर जा रहा था, तभी बदमाशों ने उसे पत्रकार कॉलोनी के पास रोक लिया और पैसों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए थे। घटना के बाद फरियादी ने थाने में शिकायत की जिसके बाद पुलिस ने निशातपुरा, करोंद और गौतम नगर से आरोपियों

को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जांच में सामने आया है कि इस वारदात के सभी आरोपियों पर पूर्व में भी लूट के मामले दर्ज है। आरोपियों के पास से लूट का 16 लाख का माल बरामद किया गया है। पुलिस की पूछताछ में सामने आया है ईद मनाने के लिए आरोपियों को पैसों की जरूरत थी। साथ ही पुराना कर्ज चुकाना था। इसी कारण उन्होंने लूट की योजना बनाई थी। लूट के बाद आरोपियों ने ईद की शॉपिंग भी की और कुर्बानी के लिए बकरा भी खरीद लिया। जिससे पुराना कर्ज लिया था उसे भी लौटा दिया। लूट के पैसों से खरीदी बाइक, कार और खेला जुआ पुलिस ने आरोपियों के पास से 3 बाइक और एक कार बरामद की है। लूट के पैसों से इन लोगों ने वाहन खरीदे थे इतना ही नहीं पुलिस को पूछताछ में पता चला कि आरोपियों को जुआ खेलने की भी लत है और लूट का पैसा जुए में भी पैसे खर्च किया है।

महिला का मंगलसूत्र झपटा, 1 माह बाद दर्ज कराई शिकायत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव दामखेड़ा में बाइक सवार दंपती से मंगलसूत्र झपटे जाने का मामला सामने आया है। घटना गत 12 मई की है। दंपती ने एक महीने बाद गुरुवार को बैरसिया थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार झपटमारों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 55 साल के राजेश शर्मा, विनायक कॉलोनी, विदिशा में रहते हैं और फलों की दुकान लगाते हैं। गत 12 मई को विदिशा से बैरसिया पत्नी बबली शर्मा के साथ शादी में शामिल होने आए थे। रात करीब साड़े आठ बजे के आसपास दंपती शादी से अपने घर बाइक से लौट रहे थे। इसी बीच गांव दामखेड़ा पहुंचने पर पीछे बाइक पर दो युवक आए। उन्होंने आवाज दी। आवाज सुनकर राजेश शर्मा ने बाइक की रफ्तार कम कर दी। बाइक की रफ्तार कम होते ही आरोपी बाइक सवारों में पीछे बैठे बदमाश ने राजेश की पत्नी के गले से मंगलसूत्र झपट लिया। झपटमारी की वारदात के बाद आरोपी तेजी से बाइक लेकर भाग

निकले। घटना के बाद दंपती थाने पहुंचने की बजाय अपने घर चले गए। उन्हें किसी ने बताया कि घटना की शिकायत पुलिस से करनी चाही। लिहाजा वह गुरुवार सुबह थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

मेट्रो एंकर — डीजीपी की समीक्षा बैठक

प्रयागराज महाकुंभ के अनुभवों से सिंहस्थ के लिए तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उज्जैन में वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ के शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में गुरुवार को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय, भोपाल के कांफ्रेंस हॉल में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर आयोजित इस वृहद बैठक में पुलिस मुख्यालय, भोपाल के वरिष्ठ अधिकारीगण जैसे अतिरिक्त महानिदेशक गुप्तवार्ता/सायबर, दूरसंचार, रेल, प्रशिक्षण, योजना/प्रबंध, पीटीआरआई तथा विसबल, आईजी भोपाल ग्रामीण, आईजी का.व्य. एवं सुरक्षा, डीआईजी एसडीआरएफ, डीआईजी एएनओ/नोडल अधिकारी सिंहस्थ, पुलिस आयुक्त भोपाल, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भोपाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। साथ ही, वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से एडीजी उज्जैन जोन, पुलिस आयुक्त इंदौर, आईजी व डीआईजी इंदौर ग्रामीण, डीआईजी उज्जैन रेंज तथा उज्जैन, खण्डवा, खरगौन, देवास, शाजापुर, धार, रतलाम, सीहोर एवं आगर-मालवा के पुलिस अधीक्षक बैठक से वर्चुअल रूप से जुड़े। बैठक का एक प्रमुख आकर्षण रहे उत्तर प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी प्रेम कुमार गौतम, भापुसे, वर्तमान में पुलिस महानिरीक्षक, एटीएस, उत्तर प्रदेश, द्वारा वर्ष 2025 में आयोजित प्रयागराज कुंभ मेले के दौरान अपनाए गए उत्कृष्ट प्रबंधन उपायों का प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तारपूर्वक साझा किया गया, जो आगामी सिंहस्थ महाकुंभ-2028 के आयोजन के लिए अत्यंत प्रेरणादायी एवं मार्गदर्शक सिद्ध होगा। प्रस्तुत प्रजेंटेशन में इन प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया। स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण - ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर की स्थापना से इंटेलीजेंट ट्रैफिक सिस्टम (आईटीएस) द्वारा रीयल-टाइम ट्रैफिक मॉनिटरिंग सुनिश्चित की गई। - प्रयागराज नगर को जोनल ट्रैफिक डिवीजन में विभाजित कर यातायात का सुगठित प्रबंधन किया गया। - ड्रोन आधारित निगरानी के माध्यम से प्रमुख मार्गों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सटीक पर्यवेक्षण किया गया। - श्रद्धालुओं की सहायता हेतु रूट डायवर्जन मोबाइल ऐप विकसित कर लाइव ट्रैफिक अपडेट उपलब्ध कराए गए। - पैदल यात्रियों के लिए अस्थायी फ्लाईओवर एवं वॉकवे गलियारे बनाए गए जिससे सुरक्षित व निर्बाध आवागमन संभव हुआ। आतंकवाद-रोधी उपाय और समन्वित सुरक्षा - एनआईए, आईबी और एटीएस जैसी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त कोऑर्डिनेशन यूनिट गठित कर सूचनाओं का समन्वय किया गया। - डॉग स्क्वाड, बम डिस्पोजल यूनिट और एंटी-स्नाइपर टीमों की पूर्व नियोजित तैनाती से सुरक्षा चाक-चौबंद रखी गई। - डार्क वेब मॉनिटरिंग द्वारा संभावित साइबर खतरों का पूवानुंमान लगाकर कार्रवाई की गई। - फेशियल रिकग्निशन ट्रैकिंग सिस्टम से संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी गई। मास सर्विलांस और रियल-टाइम मॉनिटरिंग - मेले के क्षेत्र में एआई आधारित सीसीटीवी कैमरों की स्थापना की गई, जिनमें फाइट डिटेक्शन, फॉल डिटेक्शन जैसी आधुनिक क्षमताएं थीं। - ड्रोन फीड को मुख्य कंट्रोल रूम में लाइव मॉनिटर किया गया। - फेस रिकग्निशन एण्ड बिहेवियर एनलाटिक्स तकनीक के माध्यम से भीड़ में संदिग्ध चेहरों और गतिविधियों की पहचान संभव हुई। - प्रत्येक क्षेत्र में पुलिस की क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम) तैनात की गई, जिससे त्वरित प्रतिक्रिया दी जा सकी। वीआईपी मूवमेंट और विशेष प्रबंधन - वीआईपी आगंतुकों के लिए अलग ट्रैफिक रूट, जियो-फेंसिंग, स्कैनिंग जोन और ब्लू-ग्रीन लेन के प्रोटोकॉल अपनाए गए। - फेस रिकग्निशन एवं बायोमेट्रिक एंट्री सिस्टम से विशिष्ट व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित की गई। - हेलीकॉप्टर लैंडिंग जोन और वॉच टावर जैसी व्यवस्थाएं बनाई गईं, जिससे उच्चस्तरीय पर्यवेक्षण संभव हुआ।

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित मानसरोवर डेंटल कॉलेज के पास 610 झुग्गी इलाके में गुरुवार दोपहर नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसीपी को सौंपी गई है।

पुलिस के अनुसार पूजा मौर्य पति अजय मेवाड़ा (23) मूलतः हरदा की रहने वाली थी। वर्ष 2021 में उसकी शादी अजय मेवाड़ा से हुई थी। अजय मेवाड़ा 610 झुग्गी, कोलार में किराए से रहता है और ड्राइवरी करता है। उसने पुलिस को बताया कि पूजा और उसके दो बच्चे हैं। गुरुवार सुबह वह काम पर चला गया था। दोपहर करीब 12 बजे उसकी बहन घर पहुंची तो पूजा खाना बनाने के बाद घर में बैठी थी। दोपहर करीब एक से दो बजे के बीच पूजा ने फांसी लगा ली। पड़ोसियों ने उसे फांसी के फंदे पर लटके देखा था। दो गली छोड़कर अजय के माता पिता रहते हैं। उन्हें घटना की जानकारी मिली तो वह भी घर पहुंच गए थे। इधर सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला। घटना की जानकारी हरदा में रहने वाले मायके पक्ष को दी गई है। वे हरदा से भोपाल के लिए निकल गए थे। उनके बयान के बाद आत्महत्या के कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

झुग्गी में तार लगाते समय युवक को लगा करंट

भोपाल। अंकुर कांप्लेक्स झुग्गी में करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। साहिद पिता नन्हेलाल झुग्गी नंबर 195, वल्लभ नगर, अरेरा हिल्स में रहता था और कुशन का काम करता था। उसने पारुल अस्पताल के पीछे अंकुर कांप्लेक्स झुग्गी किराए पर ले रखी थी। पड़ोसियों ने उसे झुग्गी में अचैत अवस्था में देखा गया। पास ही बिजली का तार पड़ा था। उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने चेक किया और साहिद को मृत घोषित कर दिया।

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धिपत्र संख्या 21/2025

निविदा सं 8124WCRTP-70 जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/72/2025 के तहत प्रकाशित की गई थी, इसमें निम्न संशोधन किए गए है– **Tender No. & short Description :** 8124WCRTP-70 Description मोनोब्लॉक कंक्रीट लाइन– स्लीपर (RT-8746) **शुद्धिपत्रक .4** इस निविदा के विरुद्ध शुद्धिपत्र संख्या जारी किया गया 4 है। पूर्ण विवरण के लिए, फर्मों को सलाह दी जाती है कि वे www.ireps.gov.in. देखे। अद्धतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेवसाईट www.ireps.gov.in. देखे।

(हस्ता)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पश्चिम मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु न्यूनतम पात्रता मानदंड पूरी करने वाले एवं विद्युत लाइसेन्सधारी प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र पर ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्र.–** डब्ल्यूसीआर/सीआरडब्ल्यूएस/बीपीएल/ईएल/टी/2025/04 दिनांकः 06.06.2025, **कार्य का नामः** दो वर्षों हेतु सी.आर.डब्ल्यू.एस./भोपाल में एसएस–2/एसएस–3 के दौरान एलएचबी एसी कोचों में बर्थों की संख्या के बराबर मोबाईल चार्जिंग पांइट का प्रावधान का कार्य। **कार्य की लागत एवं बिड प्रणाली–** रू. 4,93,43,373.12 (टू पैकेट), **निविदा फार्म का मूल्य–** 0.00, **धरोहर राशि–** रू. 3,96,700.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि–** 24 माह, **निविदा जमा करने की तिथि–** 01.07.2025 को 15:00 बजे तक, **निविदा खुलने की तिथि–** 01.07.2025 को 15:00 बजे के उपरांत, निविदा फार्म व निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबंधक विदयुत शाखा के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

(हस्ता.)
कृते मुख्य कारखाना प्रबंधक
सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना
पश्चिम मध्य रेलवे, निशातपुरा, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
कार्यकारी संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022